पाठ - 7

कक्कू

नबीन शब्द

दिनभर - सारा दिन, दिन भर मत खेलो।
चिढ़ाना - परेशान करना
जानवरों को चिढ़ाना बुरी बात है।

तनिक - जरा सा, कुछ देर, थोड़ा
रमेश तनिक रुक जाता तो
मजा आ जाता।

मुँह फुलाना - नाराज़ होना
चॉकलेट न मिलने पर मोनिका
मुँह फुलाये बैठ गई।

ठिठोली - मज़ाक
रमा कक्षा मे भी ठिठोली करती है।

झगड़ालू - लड़ने के लिये तैयार रहने वाला।
गीता झगड़ालू लड़की है, उससे
बात मत करो।

नाम ही नाम

तुम अपना नाम लिखो और बताओ
कि तुम्हारे नाम का क्या मतलब
है?

मेरा नाम गीता है, गीता एक धार्मिक
पुस्तक का नाम है।

तुम्हारे कितने नाम

तुम्हें लोग किन-किन नामों से बुलाते हैं?

प्यार वाला नाम	चिढ़ने वाला नाम	दोस्तों का दिया
गीतू	गोभी	गीत

सोचो और लिखो कि किसी - किसी को
नीचे दिये गये नामों से क्यों
बुलाया जाता है।

गप्पू : इधर-उधर की बात करने वाला
होगा इसलिये गप्पू बुलाया जाता
भोली : वह सीधी साधी होगी ज्यादा
चालाक नही होगी।
छुटकी : उसका कद छोटा होगा या
वह घर मे छोटी होगी
गोलू : जिसका चेहरा गोल मटोल होगा
गाल फूले हुए होगें इसलिये
गोलू कहते होगे

अब बताओ तुम्हारा कौन-सा दोस्त
कौन-सी सहेली
भक्कू है बबीता भक्कू है, बात
बात पे भड़कती रहती है।

झम्कू है (झगड़ा करता है)
सुनीता बहुत झम्कू है
गप्पू है - (बातें करता है।) कौशिक बहुत बातें करता है वह गप्पू है।

अब कविता का समय

कक्कू वह जो सदा हँसाए
रोना उसे ज़रा न आए
चिड़िया के संग गाना गाए
संग मोर के नाचा जाये
इसीलिए तो कभी कभी हम
कहते उसको कक्कू.

कक्कू कैसा है?

कक्कू कोयल जैसा क्यों नहीं है? लिखो?
कक्कू कोयल जैसा निम्नलिखित कारणों से नहीं है:-
१ वह दिनभर रोता रहता है।
२ उसकी आवाज मीठी नहीं है।
३ वह गाना नहीं गा सकता।
४ वह बहुत झगड़ालू है।

नामों की रेल

वर्णमाला याद है न? चलो, अब इन नामों को वर्णमाला के हिसाब से

क्रम में लगाते हैं।

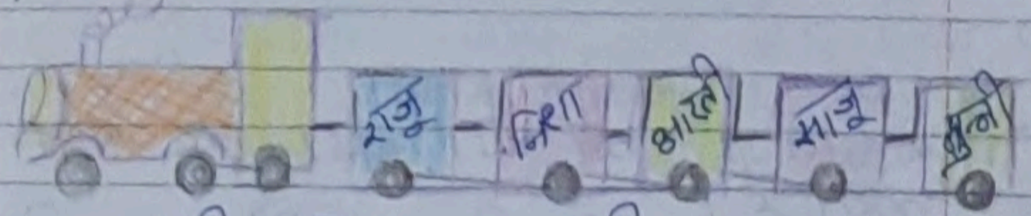

आरती, निशा, मुन्नी, राजू साजू

अतिरिक्त प्रश्न

वर्णमाला के क्रम से लिखो
कोयल, मीठी, तनिक, सदा, नाम, बात
झगड़ालू, अब, ठिठोली

(१) अब	(४) ठिठोली	(७) बात
(२) कोयल	(५) तनिक	(८) मीठी
(३) झगड़ालू	(६) नाम	(९) सदा

विलोम शब्द

दिन × रात	रोना × हँसना
मीठी × कड़वी	आना × जाना
हम × तुम	हँसना × रोना

तुकांत शब्द

सड़क	भड़क	तड़क
जाना	आना	खाना
रात	बात	जात
काम	दाम	शाम
रोना	धोना	होना

Page No. 6

पाठ - २

शेखीबाज मक्खी

नवीन शब्द

शेखीबाज : जो बढ़ा चढ़ा कर बात करता है।
सौलिता शेखीबाज है, उसकी बातों में मत आना।

विशालकाय - बड़े आकार वाला
मैंने विशालकाय दैत्य देखा और वह पूर्व दिशा की तरफ जा रहा था

घमंड - अहंकार
शलिता को अपनी अमीरी पर घमंड है।

त्यों त्यों. वैसे-वैसे
ज्यों ज्यों दिन चढ़ रहा था त्यों त्यों खरबूजे के दाम भी बढ़ रहे थे

मंद-मंद - धीरे धीरे
मंद-मंद गति से हवा बह रही है।

आग बबूला होना. बहुत क्रोधित होना
रीता के देखते ही शलिता आग बबूला हो जाती है।

Page No. 7

भिन-भिन अलग अलग
मैंने भिन-भिन प्रकार से पूछ लिया पर मोना नहीं मान रही कि वह चोर है।

पंजा - जानवर का पैर
बिल्ली ने सोनिया को पंजा मारा तो वह डर गई।

सूँड - हाथी की नाक
हाथी, सूँड मे पानी भर कर खेल रहे है।

चुटकी - अंगूठे और उँगली को रगड़ना
सीता ने चुटकी बजाई और दरवाजा खुल गया

गाली - बुरा कहना
सुनीता कक्षा मे गाली देती है, जो कि गलत बात है।

कैसी लगी कहानी

कक्षा में साथियों के साथ बातचीत करो। तुम्हें कहानी में कौन सबसे अच्छा लगा?
मुझे कहानी मे सबसे अच्छी लोमड़ी लगी। वह बहुत चालाक थी।

उसने अपनी सूझबूझ से घमंडी मक्खी को मकडी के जाल मे फंसवा दिया और सबको बचा दिया।

मक्खी मकडी के जाल में फँस गई थी। फिर क्या हुआ होगा? कहानी आगे बढाओ।

मक्खी घमंडी थी वह तैश मे आके मकडी के जाले में घुस गई जल्दी ही वह जाल मे बुरी तरह उलझ गई होगी और मदद के लिये पुकारा भी न होगा।

सब जानवर यह दृश्य देख रहे होंगे और धीरे धीरे मक्खी छटपटाते हुए मर गई होगी।

कहानी का नाम

अगर कहानी का नाम मक्खी को ध्यान मे न रखकर लोमडी और शेर को ध्यान में रखकर लिखा जाता तो उसके क्या-क्या नाम हो सकते थे

वे नाम इसप्रकार होते:-

1) चतुर लोमडी
2) चालाक लोमडी
3) लोमडी ने सबक सिखाया
4) मूर्ख शेर
5) आलसी शेर

अब तुम कहानी के लिये एक और शीर्षक सोचो। यह शीर्षक कहानी के किसी पात्र पर नहीं होना चाहिये।

टूटा घमंड
जैसा करोगे वैसा भरोगे।

शेर की जगह तुम...

मक्खी ने जब शेर को जगाया तो वह आग बबूला हो गया। तुम्हें जब कोई गहरी नींद से जगाता है तो तुम क्या करते हो?

मैं रोने लगता हूँ, क्योकि मेरा सपना पूरा नहीं हो पाता है।

मक्खी उडाते-उडाते शेर ऊब गया था। तुम क्या करते-करते ऊब जाते हो?

1 मैं पढते-पढते ऊब जाता हूँ
2 कभी-कभी ज्यादा टी०वी देखने से भी ऊब जाता हूँ।

मान लो तुम शेर हो। मक्खी ने

तुम्हारे साथ जो कुछ भी किया
वह लोमड़ी को बताओ।
मैं कहता-
"अरे इस मक्खी ने नाक में
दम कर दिया है। कभी नाक
पर बैठ जाती है तो कभी कान
पर।
मैंने कई बार इसे पंजों से
मारने की कोशिश की पर
विफल रहा।
इससे लड़ते लड़ते मैं खुद
ही घायल हो गया हूँ"
बहन लोमड़ी "मुझे इस
नामुराद मक्खी से बचाओ"

शेर तो भोजन करके आराम कर
रहा था, तुम खाना खा कर क्या
करते हो?
अक्सर - मैं साइकिल चलाता हूँ।
कभी-कभी- सो जाता हूँ।

शेर ने भोजन में क्या क्या
खाया होगा? तुम क्या-क्या
खाते हो?
शेर का भोजन —
बकरी, हिरण का माँस

मेरा भोजन-
रोटी, सब्जी, पिज़ा, दही बल्ले इत्यादि

किसने क्या कहा

नीचे कहानी से जुड़ी तस्वीरें दी
गई है? इसमें कुछ न कुछ बोला जा
रहा है। सोचो और लिखो कौन क्या
बोल रहा है?

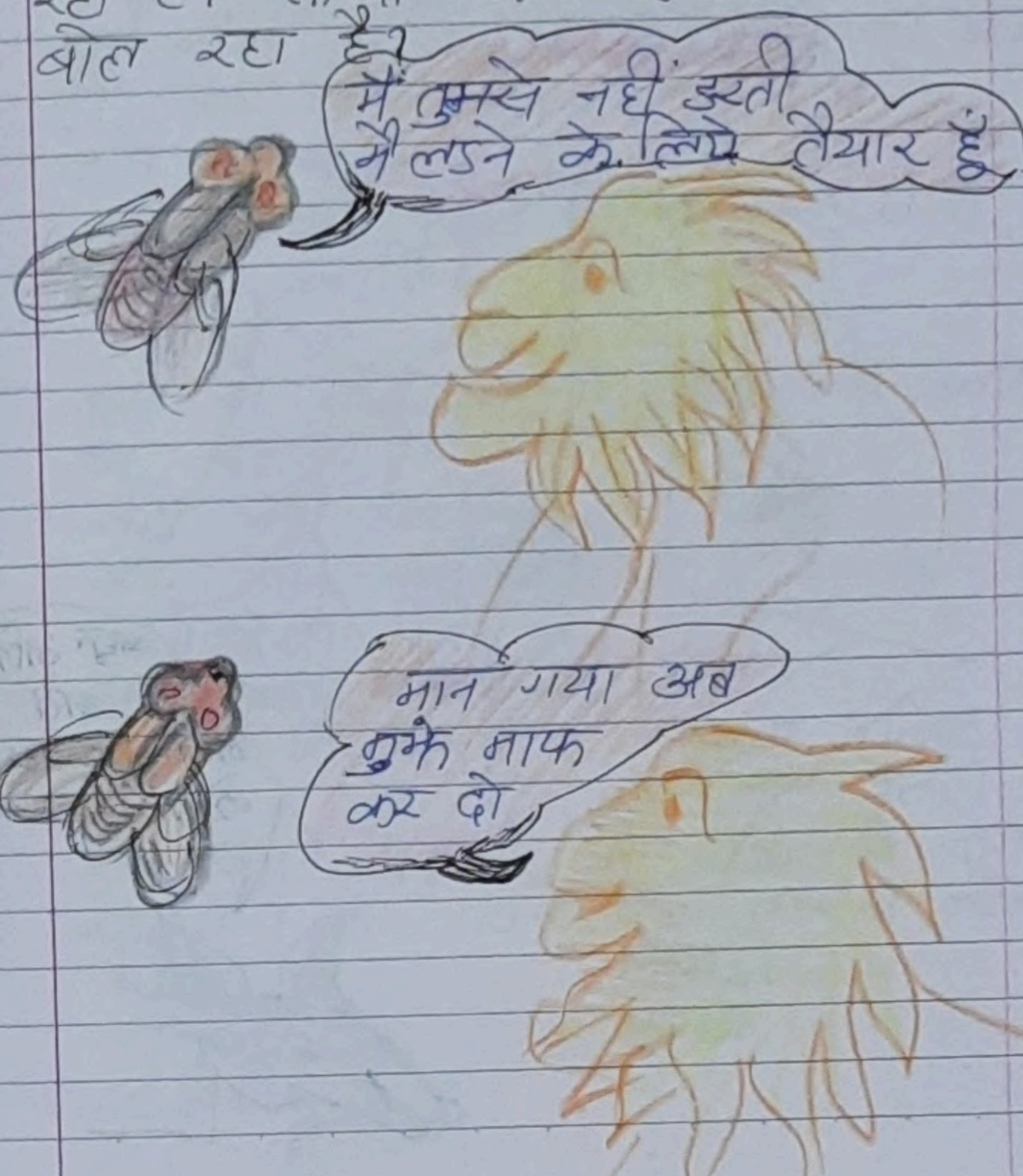

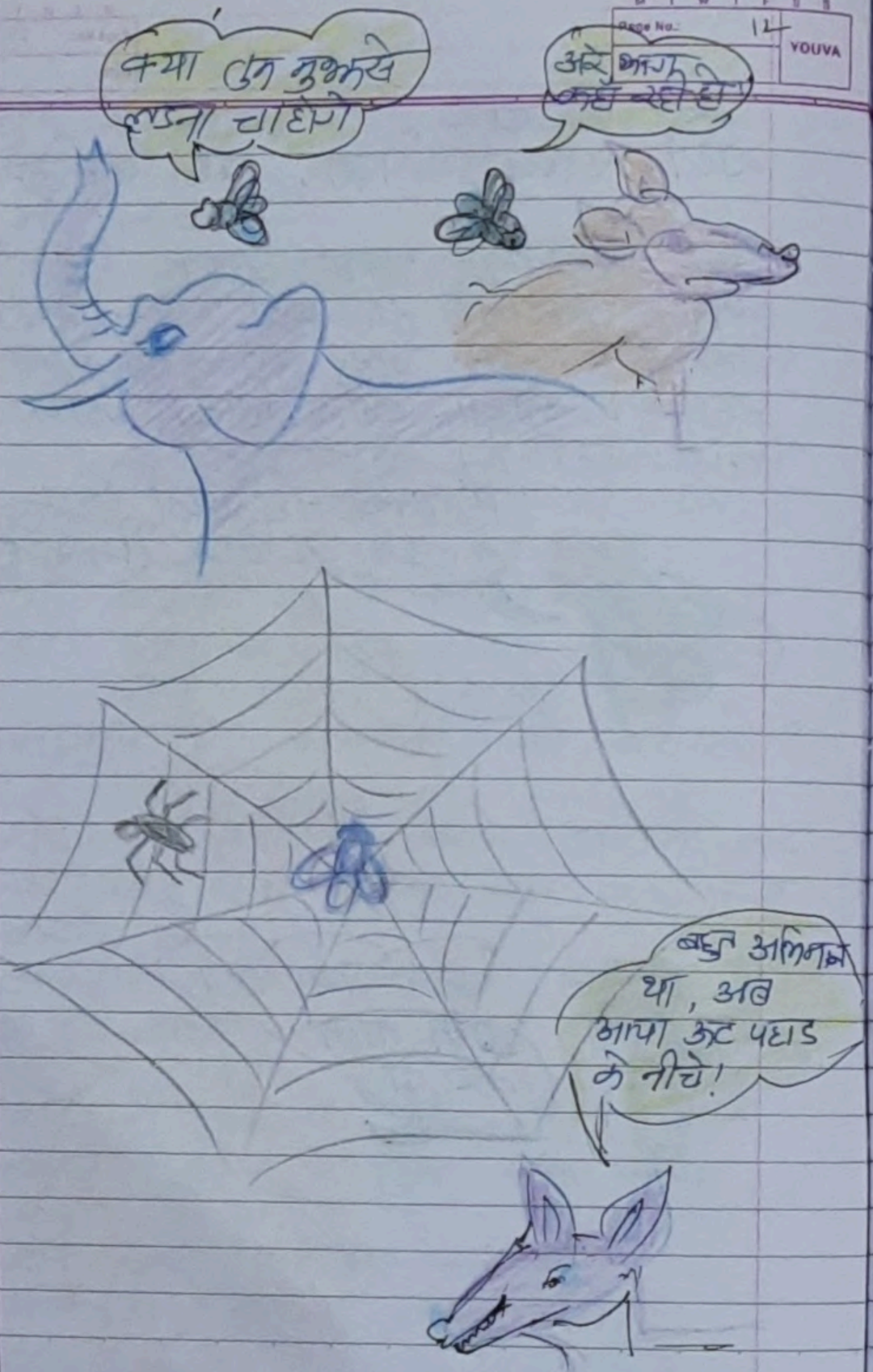

कौन क्या

कहानी के हिसाब से बताओ

घमंडी मक्खी डरपोक शेर
चतुर लोमडी सबसे चतुर लोमडी
समझदार लोमडी आलसी हाथी

चुटकी बजाते ही

तुम कौन कौन से काम चुटकी बजाते ही कर लेते हो? बताओ।

जूते पहनना।
नुक्कड की दुकान से चॉक्लेट लाना
घूमने के लिये तैयार होना।

बहर से पाँच पत्तियाँ लाओ और उनके नाम बताओ?

नीम की पत्ती
गेंदे की पत्ती
अशोका की पत्ती
आम की पत्ती
अमरूद की पत्ती

समय: 1 मिनट
(लाल टोली)

शेखीबाज मक्खी के पात्रों के नाम बताओ। जो सबसे पहले कर ले लीडर?

शेर
मक्खी
हाथी
लोमडी
मकडी

रास्ता ढूँढो

अंदर जाने के लिये 1 2 3 4 और 5 में से कौन-सा रास्ता होगा?
रास्ता 4 क्योंकि उसमे सबसे ज्यादा जाले है।

भाषा की बात

इन वाक्यों को अपने ढंग से लिखकर बताओ।

शेर आग बबूला हो उठा :
शेर क्रोधित हो उठा

जरा उसकी खबर लो न.
जाओ उसकी अक्कड़ तोड़ो.

उस मकड़ी को तो मै चुटकी बजाते ही खत्म कर देती हूँ।
उस मकड़ी को मै शीघ्र समाप्त कर देती हूँ।

जंगल के राजा के मुँह से ऐसी भाषा कहाँ शोभा देती है।
जंगल के राजा को ऐसा ओछा (गलत, छोटा, हीन) नहीं बोलना चाहिये।

उड़ते-मँडराते

इनके पास तुमने अक्सर किन-किन को मँडराते देखा है?

जलते बल्ब के आसपास
मच्छर, पतंगा, छिपकली

खेतों मे
टिड्डियाँ, चिड़ियाँ, क्रिकेट (कीट)

इकट्ठे पानी के ऊपर
मच्छर, कीड़े, मक्खी

फूलों पर
भँवरे, तितली, मधुमक्खी

कचरे के ढेर पर
मच्छर, मक्खी, कॉकरोच

हलवाई की मिठाइयों पर
मधुमक्खी, मक्खी, चींटियाँ

कौन है शेखीबाज

क्या तुम किसी शेखीबाज को जानते हो? कौन है वह? वह किस चीज के बारे में शेखी बघारता है?

उत्तर) मेरा एक दोस्त है जो अपनी हर

चीज की शेखी बघारता उसे पिता जी नेता है वह अपनी हर बात को बढ़ा चढ़ा कर कहता और करता है। कीमती पैन लाता है और घड़ी पहनता है।

वह अपने पिता के रुतबे के बारे में शेखी बघारता है।

अतिरिक्त प्रश्न

स्वर:

अ आ इ ई उ ऊ ऋ ए ऐ
ओ औ अं अः

स्वरों की मात्राएँ:

अ. मूल स्वर
आ — ा
इ — ि
ई — ी
उ — ु
ऊ — ू
ऋ — ृ
ए — े
ऐ — ै
ओ — ो
औ — ौ
अं — ं
अः — ः

व्यंजन

कवर्ग : क ख ग घ ङ
चवर्ग : च छ ज झ ञ
टवर्ग : ट ठ ड ढ ण
तवर्ग : त थ द ध न
पवर्ग : प फ ब भ म
अन्तस : य र ल व
ऊष्म : श ष स ह

संयुक्त व्यंजन

क + श = क्ष
त् + र = त्र
ज् + ञ = ज्ञ

11 स्वर
25 स्पर्श व्यंजन
04 अन्तस
04 ऊष्म
03 संयुक्त व्यंजन
47

अयोगवाह - 03
अनुस्वार - अं (ं)
अनुनासिक - अँ (ँ)
विसर्ग - अः (ः)
ऑ की मात्रा - ऑ (ॅ)

पाठ - 3

चाँद वाली अम्मा

नवीन शब्द

शरारत - तंग करना,
रीना बहुत शरारती लड़की है,
उसके पास मत जाओ।

घूरना - गुस्से से देखना
अध्यापिका जी ने नकल करती गीता
को घूर कर देखा।

अकेली - बिना साथी के
बबीता अकेली पड़ गई है चलो
उसका मन बहलाएं।

कसकर - जोर से
कसकर पकड़े रहो वरना गिर जाओगे।

रस्साकशी - एक जोर आजमाइश का खेल
सब विद्यार्थी मिल कर रस्साकशी
का खेल देख रहे हैं।

हरकत - गतिविधि (शरारत में)
अपनी हरकतों से बाज़ आजाओ
अध्यापक ने खीजते हुए कहा।
आदत - लत
राजू को चोरी की बुरी लत है।

क्रम - एक के बाद एक।
बच्चे क्रम से बैठे और अध्यापक
ने सबको 'मिडडे मील' दिया।

आव देखा न ताव - बिना सोचे समझे।
गीता ने आव देखा न ताव
सारे लड्डू चट कर दिये।

तुम्हारी कल्पना से

बूढ़ी अम्मा चाँद पर क्यों चढ़ गई?
बूढ़ी अम्मा चाँद पर इसलिये चढ़
गई होगी कि वह गिरने से बच
जाये और साथ ही आसमान से
उसका पीछा भी छूट जाये।

चाँद वाली अम्मा झाड़ू क्यों नहीं
छोड़ना चाहती थी?
चाँद वाली अम्मा झाड़ू इसलिये
नहीं छोड़ना चाहती थी क्योंकि
उसके पास एक ही झाड़ू था।

चित्रों को देखकर बताओ कि अम्मा
के साथ कौन-कौन रहता है?
अम्मा के साथ बिल्ली, चिड़िया और
कबूतर रहते होंगे।

आसमान बार-बार आकर अम्मा की कमर से क्यों टकराता था? तुम्हे क्या लगता है।
आसमान अपनी आदत के अनुसार अम्मा को छेड़ता था।

रूठना मनाना

जब बूढ़ी अम्मा उड़ी जा रही थी तो उन्होंने आसमान को हर तरह से मनाने की कोशिश की। बताओ, उन्होंने क्या-क्या कहा होगा?

मुझे कहाँ ले जा रहे हो।
घबराकर

बच्चे मुझे नीचे उतार दे
गिड़गिड़ाकर

छोड़ मेरा झाड़ू, अभी बताती हूँ तुझे
गुस्से से

अच्छा बेटा जो तेरी मर्जी है कर। मैं कुछ नहीं करूँगी
तरकीब सूझने पर

घूरना

अम्मा उसे घूरकर देखती तो आसमान थोड़ा हट जाता।
कब-कब ऐसा होता है जब तुम्हें कोई घूरकर देखता है।
मेरे पिता- जब मुझे घूरकर देखते हैं मैं शैतानी बंद कर देती हूँ।

मेरे शिक्षक- जब कक्षा में, रीना के साथ गपशप करती हूँ, तो मेरे शिक्षक घूर कर देखते हैं।

मेरी बहन / मेरा भाई - जब मैं स्कूल जाने में आनाकानी करता हूँ तब मेरी बहन घूर कर देखती है।

दम लगा के हईशा

कुछ और खेलों के नाम लिखो जिनमें दो टोलियाँ खेलती हो।
कबड्डी, फुटबॉल, हॉकी, क्रिकेट

साफ़ सफाई

घर की सफाई करने के लिये किन किन चीजो का इस्तेमाल होता है।
घर की सफाई करने के लिये झाड़ू, पौंछा, वाइपर, फिनाइल और

पानी का इस्तेमाल होता है।

किन-किन मौको पर तुम्हारे घर का सारा सामान हटकर खूब जोर-शोर से सफाई होती है।
दीपावली और जन्मदिन के अवसर पर जोर-शोर से सफाई होती है।

ये मौके खास क्यों है?
दीपावली के दिन पूजा होती है इस लिये घर को साफ करके मंदिर जैसा सजाते है।
जन्म दिन के अवसर पर मेरे मित्र आते है और रिश्तेदार भी आते है। इसलिये ये मौके खास है।

सफाई के काम से जुडे हुए शब्द सोचो और लिखो। जैसे झाड़ना

पोंछना	झाड़ू लगाना
धोना	हटाना
रगड़ना	निकालना
निचोड़ना	बिछाना आदि

काम कौन करता है
यह भी बताओ कि तुम्हारे घर

मे यह काम कौन करता है?

बूढी अम्मा के काम	घर मे कौन करता है।
1 पानी भरना	माता जी
2 झाड़ू लगाना	माता जी
3 कपडे धोना	माता जी
4 सब्जी खरीदना	माता जी

तुम कौन-2 से काम करते हो? अपने कामों के बारे में लिखो। बताओ।

घर के काम	घर के बाहर के काम
1 पौधों को पानी देना	सब्जी खरीदना
2 शरबत बनाना	मोमबत्ती लाना
3 चीजो को व्यवस्थित करना	इस्त्री करवाना
4 मेज सजाना	जूते पालिश करवाना
5 कपड़े उठाना	पड़ोस मे सामान देना
6 बोतलों मे पानी भरना	कचरा फैंकने जाना

तुम बूढी अम्मा की मदद किन-2 कामों मे कर सकते हो?
बाहर से पानी लाना
आँगन साफ करना आदि

कितने नाम, कितने काम?
इस कहानी मे नाम वाले और काम वाले कई शब्द आये है। उन्हे छाँटकर नीचे

तालिका में लिखो।

नाम वाले शब्द (संज्ञा)	काम वाले शब्द (क्रिया)
आसमान	रस्साकशी करती
झाड़ू	पानी लाना
अम्मा	खाना बनाना
चाँद	दे मारी
बादल	वार किया
पानी	(अम्मा) चिल्लाई
आँगन	थक (गई)
बूढ़ी	झुकती

तुम्हारी शरारत

अरे, आसमान की शरारत तो कुछ भी नहीं। मैंने तो एक बार सुबह बाथरूम का नल खुला रख दिया। पानी पूरे घर में बहने लगा।
जब मम्मी उठी तो उन्होंने देखा कि सब तरफ पानी है। मुझ से पूछा - "यह क्या है" मैं हँसने लगा और कहा- "बरसात है ना, इस लिये बाढ़ आ गई। क्या तुम्हें मालूम नहीं।
बस मेरा इतना कहना था, मम्मी ने आव देखा न ताव और थप्पड़ रसीद कर दिया।

तुम्हें चाँद पर क्या दिखाई देता है। बताओ

मुझे चाँद पर एक बगीचा दिखाई देता है जिस पर चाँद वाली अम्मा झाड़ू लगाती है।

अतिरिक्त प्रश्न व्याकरण

संयुक्त अक्षरों वाले दो दो शब्द लिखो

म्म	टम्मी	निम्मी
प्प	पप्पू	गप्पू
च्च	बच्चा	सच्चा
क्क	कक्कू	सक्कू
न्न	अन्न	गन्ना
त्त	पत्ता	गत्ता

अपने प्रिय पक्षी पर अनुच्छेद लिखो।

मेरा प्रिय पक्षी कोयल है। इसका रंग काला होता है और बोली बहुत ही मीठी होती है। कहते हैं जिस आम के पेड़ पर कोयल कूकती है उस पेड़ का आम सबसे मीठा होता है। इस पक्षी की एक विशेषता है कि यह अपने अंडे कौवे के घोंसले में रख देती है।

सूरज और चाँद ऊपर क्यों गए?

नवीन शब्द

अक्सर : हमेशा
अक्सर विद्यार्थी गणित का विषय पसंद नहीं करते और जी चुराते हैं।

आसमान : आकाश
आसमान पर बादल हैं, शायद बारिश होगी।

पसंद : प्रिय, अच्छा
मुझे हिन्दी का विषय बहुत पसंद है, चलो मिलकर पढ़े।

यदि : अगर
यदि मैं चाहूँ तो अकेले ही टीम को जिता सकता हूँ।

विपरीत शब्द लिखो

दोस्त × दुश्मन
अक्सर × कभी कभी
मिलना × बिछड़ना
नया × पुराना
बड़ा × छोटा
अंदर × बाहर

अंत × आदि
पसंद × नापसंद

सूरज और चाँद पहले कहाँ रहते थे?
सूरज और चाँद पहले जमीन पर रहते थे।

पानी सूरज और चाँद के घर क्यों नहीं आता था।
पानी सूरज और चाँद के घर इसलिये नहीं आता था क्योंकि पानी के और भी बहुत दोस्त थे।

रिक्त स्थान भरे -
सूरज ने कहा - "एक बहुत बड़ा नया घर बनाऊँगा।

पानी ने बाहर खड़े होकर पूछा - मैं अपने दोस्तो के साथ अन्दर आ जाऊँ?

एक दिन सूरज ने पानी से पूछा तुम कभी हम से मिलने क्यों नहीं आते।

पर्यायवाची शब्द
चाँद - चन्द्रा, चन्द्रमा, इन्दु
सूरज - सूर्य, रवि, भानु
पानी - जल, वारि, नीर
घर - गृह, सदन, आलय
दोस्त - मित्र, सखा, सहचर
आसमान - आकाश, नभ, गगन

कुछ दिनों बाद सूरज और चाँद वापस नीचे क्यों आये लिखो आगे क्या हुआ होगा।
उस दिन बहुत गर्मी थी चाँद की चांदनी भी ठण्डक नहीं दे पा रही थी।
चाँद और सूरज ने सोचा बहुत दिन होगये आसमान में हमारे और दोस्त और प्यारा मित्र पानी भी जमीन पर है. चलो उन से मिल के आते है।
वह दोनो अपने मित्रो से मिलने के लिये जमीन पर आ गये अबकी बार वह ज्यादा गर्म हो गये थे। पानी से मिलकर उन्हे सुकून मिला और पानी भी भाप बन कर बादल बन गये, फिर इतना बरसे कि सारी जमीन हरी भरी हो

गई। चाँद और सूरज को भी अच्छा लगा और वह फिर वापस चले गये।

जरा सोचो
यदि सूरज सच मे धरती पर आ गया तो क्या होगा?
यदि सूरज सचमुच मे धरती पर आ गया तो, बडी तबाही मचेगी सब कुछ पेड-पौधे, जानवर-इंसान जल कर भस्म हो जायेगे।

यदि चाँद सच में धरती पर आ गया तो क्या होगा?
यदि चाँद धरती पर आ गया तो वह धरती से टकरायेगा और धरती मे गड्ढा बन जायेगा

क्या चाँद घटता बडता है?
जी नहीं, चाँद घटता बडता नही है अपितु ऐसा प्रतीत होता है।

क्यो तुम चाँद पर जाना चाहेगे? वहाँ जा कर क्या करोगे। बताओ?
जी हाँ, मैं चाँद पर जाना चाहूँगा और वहाँ खेलना भी चाहूँगा. मैं अपनी साईकिल भी लेजाऊँगा।

पाठ -४

मन करता है

नवीन शब्द

चंदा - चाँद
कहते है चाँद पर रहना भी सम्भव हो गया है।

अकड़ - घमंड
मेरा मित्र के पिताजी नेता क्या बने उसमे अकड़ आ गई।

बाबा - बूढ़ा व्यक्ति (ताजी यहाँ पर)
बाबा जल्दी चलो बस छूट जायेगी।

धौंस दिखाना - डाँटना, बडपन जताना
प्रथम आने पर राकेश धौंस दिखाने लगा।

चरखी - जिसपे धागा लपेटते हैं।
इस चरखी मे धागा कम है।

तुम्हारी बात

तुम पर कौन-२ धौंस जमाता है? क्यो?
(१) घर मे (२) स्कूल में

घर में - पिता जी, ताकि मै खूब पढ़ूं।
स्कूल में - प्रधानाचार्य जी, ताकि अनुशासन बना रहे

तुम्हारा मन कब-कब चिड़िया बन जाने को करता है
जब खिड़की से बाहर देखता हूं कि चिड़िया और मैना आकाश मे उड़ रही है तो मेरा भी मन करता है कि काश मैं भी चिड़िया होता और आकाश मे उड़ता।

कौन किस पर अकड़ जमाता होगा?
आसमान में : चील, कबूतरो पर अकड़ जमाती होगी।

जंगल में : शेर, बकरियों सहित अन्य जानवरो पर।

नदी में : मगरमच्छ, मछलियों और हिपोपोटामस पर।

खेल में : कप्तान, खिलाड़ियों पर

स्कूल मे : मोनीटर, सहपाठियों पे

घर मे : दादा जी, हम सब पर

मूँछ

मूछें तुम्हारे लिये कुछ मूँछे बनी हैं। कुछ मूँछे तुम भी बनाओ और सभी मूँछों को अपने मन से नाम दो।

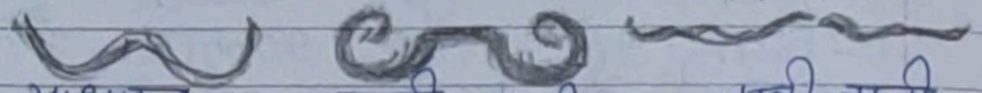

पता करो

नाम	मन करता है
अध्यापक	पढ़ाने का
मम्मी	मंदिर जाने का
पापा	घूमने जाने का
छोटे भाई	खेलने का
मेरा	चाँद पर जाने का

चलो पतंग बनाएँ

सोचो और बताओ

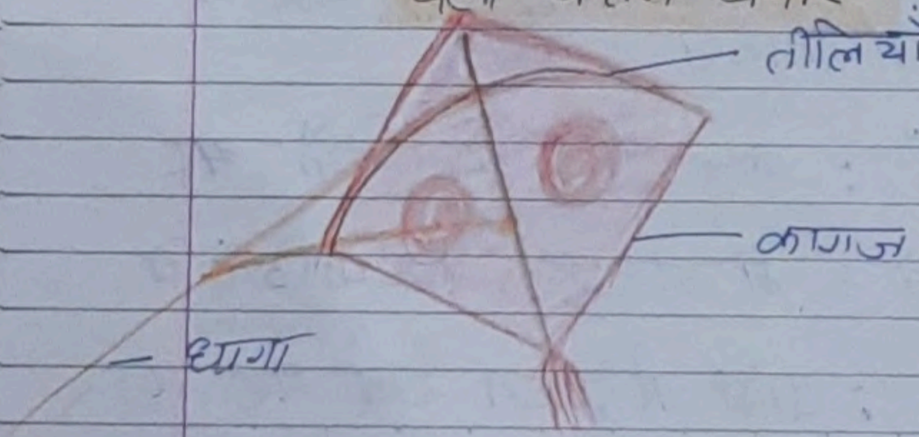

सूरज आसमान में दौड़ क्यों लगाता होगा?

सूरज आसमान मे दोड इसलिये लगाता होगा कि सब तरफ उसकी रोशनी फैल सके और सुबह शाम हो।

चिड़िया शोर क्यों मचाती होगी?

चिड़िया सोते हुओं को जगाने के लिये शोर मचाती होगी।

चंदा तारो पर क्यो अकड़ता होगा?

चंदा अपने बड़े आकार की वजह से तारो पर अकड़ता होगा।

दादा घर में कैसे धौंस जमाते होंगे?

दादा हर काम अपने हिसाब से करवा कर धौंस जमाते होंगे।

शोर

अब आँखे खोलो, क्या याद है, तुमने किस-किस की आवाज सुनी थी? नीचे उनके नाम लिखो।

1) पंखा चलने की आवाज
2) कुक्कर की सीटी की आवाज
3) मोबाइल की घण्टी की आवाज

इनमें से कौन-कौन बहुत शोर मचा रहे थे?
कुकर का शोर सबसे ज्यादा था।

पहेली

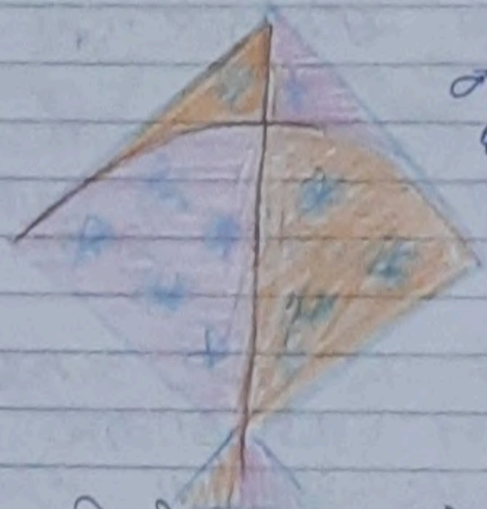

कागज का घोड़ा
धागे की लगाम
छोड़ दो धागा तो
करे सलाम

पतंग

अतिरिक्त प्रश्नोत्तर
पंक्तियो का मिलान करो

सूरज बनकर आसमान मे दौड़ लगाऊ
पापा बनकर मूँछ बढ़ाऊँ
चंदा बनकर अकड़ दिखाऊँ
बाबा बनकर धौंस जमाऊँ
तितली बनकर उड़ता जाऊँ
कोयल बनकर मीठे बोल सुनाऊँ
चिड़िया बनकर ची ची करू
चरखी लेकर पतंग उड़ाऊँ

वाक्य बनाओ
अकड़ दिखाना - अपनी महानता बताना
मोनीटर आज ज्यादा अकड़ दिखा रहा है।

धौंस जमाना - हुक्म चलाना
मेरा दोस्त मुझपर धौंस चलाता है।

शोर मचाना - जोर से बोलना
मेरी छोटी बहन बहुत शोर मचाती है।

आसमान में दौड़ लगाना - सुबह शाम हो जाना - आज पूरा दिन आसमान मे दौड़ लगाई पर कुछ कमाई नहीं की।

मिलते जुलते शब्द बनाओ
शोर बोर मोर डोर
चंदा बंदा मंदा गंदा
अकड़ मकड़ पकड़ धाकड़ लकड़
मन तन धन खन बन
बोल खोल तोल मोल पोल

कोयल की आवाज कैसी होती है
मीठी होती है

पुलिंग स्त्रीलिंग
घोड़ा, चूहा घोड़ी, चुहिया

पाठ - ५

Page No. 36

Page 138

Page No. 37

बहादुर बित्तो

नवीन शब्द

मरियल : दुबला पतला
रोहित मरियल सा दिखता है परन्तु उसमें हिम्मत है। वह।

पग्गड : पगड़ी साफा
राकेश की नीली पग्गड अति सुन्दर लग रही है।

हिम्मत : हमें कठिन परिस्थिति में हिम्मत से काम लेना चाहिये।

कोशिश : प्रयास
हमें कोशिश करना नहीं छोड़ना चाहिये।

सुधबुध (खोना)
होश हवास : शेर को सामने देखकर मेरे होश हवास गुम हो गये।

तुरन्त,
फौरन फौरन उठो, कहीं स्कूल के लिये देर न हो जाये।

उदास : मायूस
वह उदास इसलिये है क्योंकि वह टिफिन नहीं लाया।

छटपटाना : कराहना
सुनीता कम अंक पाने पर छटपटाने लगी उसे ऐसी उम्मीद नहीं थी
अथवा
शेर के पंजे की वजह से हिरण छटपटाने लगा, वह उठ ही नहीं पाया।

चीख : भय से चिल्लाना
सामने साँप को देखकर रोहन की चीख निकल गई।

कहानी में ढूँढो

शेर किसान से क्या लेने गया था?
शेर किसान से बैल लेने गया था।

शेर ने बित्तो को राक्षसी क्यों समझ लिया?
शेर ने बित्तो को राक्षसी निम्न कारणों से कहा था।
1) उसने सिर पर बड़ा सा पग्गड बाँधा था।
2) उसके हाथ में दराँती थी।
3) उसने शेर की तरफ बढ़ते हुए कहा - "नाश्ते में एक ही शेर काफी है।"

बैल की जान कैसे बच गई
बैल की जान बित्तो की बहादुरी और सूझ-बूझ से बच गई।

तुम्हारी ज़बानी

नीचे कुछ शब्दों के नीचे रेखा खिंची हुई है। उन्हे ध्यान में रखते हुए। नीचे लिखे वाक्यों को अपने शब्दों में लिखो।

1) बित्तो घोड़े पर सवार हो गई।
बित्तो घोड़े पर बैठ गई।

2) तुम घर की गाय को शेर के हवाले कर रहे थे।
तुम घर की गाय को शेर को सौंप रहे थे।

(पाला)
3) आज एक राक्षसी से पाला पड़ गया।
आज एक राक्षसी से सामना हो गया।

4) अगर बैल आपके हाथ न आए तो मेरा नाम भेड़िया नहीं।
अगर बैल आपको न मिले तो मेरा नाम भेड़िया नहीं।

5) शेर को देखते ही किसान के होश-हवास गुम हो गये।
शेर को देखते ही किसान अपनी सुधबुध खो बैठा।

बेचारा भेड़िया

शेर तो डर कर भाग गया। सोचो तो भेड़िये का क्या हुआ होगा?
शेर की पूँछ भेड़िये की पूँछ से बंधी थी। जब शेर डर कर भागा होगा, तो उसके साथ भेड़िया भी घसिटता गया होगा। उसे चोटें भी आई होगी।

शेर किसान के पास कितनी बार गया था? कहानी देखे बिना बताओ?
शेर किसान के पास दो बार गया था

खाली जगह मे क्या आयेगा।

औरत	मर्द/आदमी	घोड़ा	घोड़ी
शेर	शेरनी	मछुआरा	मछुआरिन
बच्चा	बच्ची	राजा	रानी

मैं नहीं जाऊँगा

शेर - भेड़िये तुम क्यों हँस रहे हो?
भेड़िया - महाराज, वह तो बित्तो थी।

शेर - नहीं नहीं। वह सचमुच राक्षसी थी।
भेड़िया - मैंने अपनी आँखो से देखा है महाराज। वह किसान की पत्नी बित्तो ही थी।

भेड़िया - मैंने अपनी आँखों से देखा है महाराज। वह किसान की पत्नी बित्तो ही थी।

शेर - मुझे यकीन नहीं होता
भेड़िया - मेरा यकीन कीजिये महाराज आप मेरे साथ चलिये मैं दिखाता हूँ।

शेर - ठीक है चलो किसान के खेत में, पहले तुम अपनी पूँछ मेरी पूँछ के साथ बांद लो।

बोलो तुम क्या सोचती हो।
भेड़िये ने शेर को भोले महाराज क्यों कहा? क्या शेर सचमुच भोला था।
भेड़िये ने शेर को भोले महाराज इस लिये कहा था क्यों कि उसने बित्तो को राक्षसी समझ लिया था और वह यह समझ नहीं सका

कि उसे डराने केलिये बित्तो ने चार शेरो का नाशता की बाद कही है।
जी नहीं, शेर भोला नहीं था, वह बहुत मूर्ख था।

शेर ने भेड़िये की पूँछ के साथ अपनी पूँछ क्यों बाँध ली?
शेर ने भेड़िये की पूँछु के साथ अपनी पूँछ इसलिये बाँध ली थी कि बित्तो को देखकर कहीं भेड़िया भाग न जाये।

क्या शेर फिर कभी बित्तो के खेत की तरफ गया होगा? हाँ या नहीं, क्यों?
जी नहीं, शेर फिर कभी बित्तो के खेत की तरफ नहीं गया होगा क्योंकि वह बहुत डर गया है। वह अभी भी बित्तो को राक्षसी समझता होगा।

बित्तो की हिम्मत तुम्हें कैसी लगी? अगर तुम बित्तो की जगह होती तो शेर से कैसे निपटती।
बित्तो की हिम्मत प्रशंसनीय है। अगर मैं बित्तो की जगह होती तो गाँव के लोगो के साथ निकलकर नगाड़े बजाती

जिसकी आवाज़ से शेर भाग जाता।

राज का राज़

कहानी में से ऐसे ही ज़ पर लगे नुक्ते वाले शब्द ढूंढो।

ज़ोर, काफ़ी, रोज़
ताज़ा, औज़ार, तेज़ी
फ़र्क आदि..

अब अपने मन से सोचकर ज़ पर लगे नुक्ते वाले पाँच शब्द लिखो?

बाज़ार, ज़मीन, मज़दूरी
ज़हन, जहाज़, इंतज़ार
ज़रूरत, ज़िन्दगी, कागज़

अगर ऐसा होता तो

अगर तुम शेर की जगह होती तो क्या करती?
अगर मैं शेर की जगह होती तो पहले ही बैल को खा जाती उसे घर जाने का मौका ही नहीं देती।

अगर तुम बिल्ली की जगह होती शेर से कैसे निपटती?
अगर मैं बिल्ली की जगह होती तो

गाँव वालों के साथ मिलकर नगाड़े बजाती नगाड़ों की आवाज़ से शेर डर कर भाग जाता।

पहचानो तो

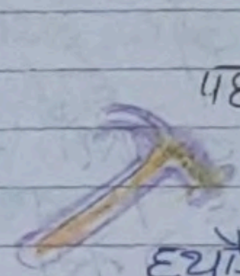

हथौड़ी

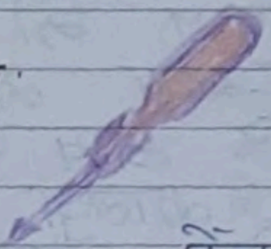

पेचकस

खुरपी

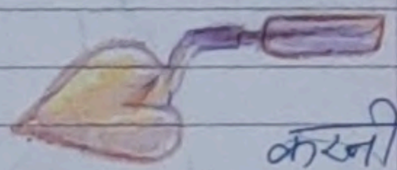

करनी या करानडी

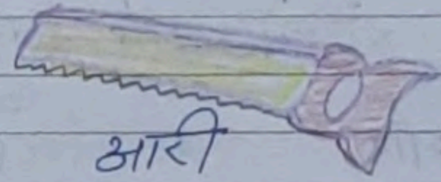

आरी

वरना

शेर ने किसान से कहा - अपना बैल मुझे दे दो वरना मैं तुझे खा जाऊँगी
वरना शब्द का इस्तेमाल करते हुए तुम भी तीन वाक्य बनाओ।

1 खाना खाओ वरना कमजोर हो जाओगे।
2 जल्दी करो वरना बस छूट जायेगी
3 दूध लाओ वरना खत्म हो जायेगा

हम किसी से कम नहीं

कई जगहों पर गांवो में औरतें खेतों में भी काम करती है। तुम्हारे आसपास की औरतें और लड़कियाँ क्या-क्या काम करती है।

हमारे आस पास की लड़कियाँ स्कूल और कालेज जाती है तथा औरते नौकरी या बिजनेस करती है।

शेर और घोड़ा

शेर और घोड़े में कई अंतर होते हैं। ध्यान से सोचो और लिखो।

	शेर	घोड़ा
खाना	माँस	घास, पत्तियाँ भूसा
घर	जंगल की गुफा	अस्तबल
रंग	केसरी पीला	सफेद, काला भूरा, धब्बदार
आदतें	शिकार करना दहाड़ना /डराना	हिनहिनाना दौड़ना

कौन क्या है

नीचे लिखे गये शब्दों को सही तालिका मे लिखो।

जानवर	चीजे	नाम
चूहा	बोतल	किसान
शेर	लता	कल्लू
खरगोश	केला	राजू
घोड़ा	कलम	रानू
गौरैया	जूता	नीना
कोयल	चारपाई	बिल्लो
	पगड़ी	पीपल
	करेला	नीम
	छलनी	
	बाल्टी	
	किताब	
	दराती	

अतिरिक्त प्रश्न

लिंग बदलो

शेर शेरनी घोड़ा घोड़ी
पत्नी पति राक्षस राक्षसी
बैल गाय राजा रानी

वचन बदलो

घोड़ा घोड़े गधा - गधे
रानी रानियाँ बिल्ली - बिल्लियाँ
बच्चा बच्चे झोपड़ी - झोपड़ियाँ
राक्षसी - राक्षसियाँ चूहा - चूहे

तुम्हें डरपोक कौन लगता है?
मुझे शेर और किसान दोनो डरपोक लगते है।

मूस की मज़दूरी

नवीन शब्द

धान : चावल का पौधा
इस बार धान की फसल खूब अच्छी हुई है।

पोखरी : छोटा से तालाब
इस पोखरी में मछलियाँ भी है।

बालियाँ : धान का वह भाग जिसमें चावल होता है।
अगर जल्दी बारिश न हुई तो धान की बालियाँ मुरझा जायेगी।

मूस : बडा चूहा
मूसो ने सारा अनाज चट कर दिया

मेहनताने : पगार, वेतन
इस फैक्टरी मे मेहनताना बहुत कम है।

सरसर : तेज गति से
चूहा सरसर पानी पर तैरता है और जमीन पर चलता भी है

प्रसन्न - खुश
मोहन की सरकारी नौकरी लग गई वह बहुत खुश है।

मज़दूरी - वेतन (दैनिक)
आज वर्षा की वजह से हमारी मज़दूरी तो गई।

ढोकर - उठा कर
वह अभी छोटा है इतना वजन ढोकर नहीं जा सकता।

आदमी को धान कहाँ से मिला था
आदमी को धान पोखर से मिला था

वह धान की बालियों तक क्यो नहीं गया
क्योंकि पोखर मे पानी गहरा था

उसकी मदद किसने की थी। क्यो
उसकी मदद एक मूस ने कुछ मेहनताने के बदले करना स्वीकार किया।

मूस को क्या मेहनताना मिला, कब तक?
मूस को अनाज मे से कुछ हिस्सा मेहनताने के रूप मे आज तक मिल रहा है।

पाठ - ६

Page No. 48

हम से सब कहते

नवीन शब्द

सूर्य : सूरज
सूर्य के प्रकाश से बिज्जली बनाई जाती है।

खबरदार : सावधान
हमे अपने अवगुणो से खबरदार रहना चाहिये यह भी हमारे शत्रु है।

जलधार : तेज़ बारिश
आज इस जलधार में गाँव का पुल बह गया।

बस : जोर, नियंत्रण
आदमखोर शेर पर किसी का बस नहीं चलता।

चाँदनी : चंद्रमा की किरणें
चाँदनी में खेत खलियान सब उज्जवल लगता है।

अंदर : भीतर . अंदर आ जाओ बाहर वर्षा हो रही है।

Page No. 49

नया शीर्षक

अगर तुम्हे इस कविता का नाम बदलने को कहेगा तुम इसे क्या नाम दोगे?
मैं नाम दूँगा - ऐसा क्यों कहते

करो - मत करो

नीचे वाली तालिका में लिखो।

करो	मत करो
१) पढ़ो और लिखो	गंदे हाथों से मत खाओ
२) अनुशासन मे रहो	चीजें मत तोडो
३) जल्दी सो जाओ	सामान मत बिखराओ
४) जल्दी उठो	व्यर्थ बातें मत करो
५) गृहकार्य पूरा करो	फूल मत तोडो

जरा सोचो

सूरज चाँद को रोशनी जो भगा देता है
बादल सूरज की रोशनी को भगा देता है
हवा बादल को भगा देती है।
बताओ कौन किससे ज़्यादा ताकतवर है।
हवा सबसे ज्यादा ताकतवर है इस प्रश्न के अनुसार।

तुम्हारी बात

तुम्हारा किस-२ पर बस चलता है?
छोटे भाई-बहनो पर

तुम्हारे घर में तुम्हें कौन-कौन टोकता रहता है?
मेरे घर में मुझे बड़ा भाई, माताजी और पिताजी टोकते हैं।

किन-2 बातों पर तुम्हें अक्सर टोका जाता है?
सामान फैलाने पर
गृह कार्य पूरा न करने पर
फूल तोड़ने पर और
दूध न पीने पर।

कौन सी चीज कहाँ

अब शालू यह सोच रही है कि किस नाम को किस खाने में लिखना है। क्या तुम उसकी मदद कर सकती हो?

अक्षर	जानवर या पक्षी	खाने पीने का सामान	खेल का नाम या सामान
ब	बकरी	बेर	बल्ला
म	मगर	मसाला	मार-कुटाई
क	कबूतर	ककड़ी	कंकड़, कब्बडी
ल	लोमड़ी	लड्डू	लट्टू
प		पपीता, पेडा	पतंग
ग	गाय	गुलाब-जामुन	गिल्ली
श	शेर	शक्कर, शहतूत	शतरंज
च		चटनी	
त	तोता		

अब हरेक खाने के नाम वर्णमाला के हिसाब से क्रम से लगाओ -
जानवर या पक्षी -
कबूतर, गाय, तोता, बकरी, मगर, लोमड़ी, शेर

खाने पीने का सामान -
ककड़ी, गुलाब-जामुन, चटनी, पपीता, पेडा, बेर, मसाला, लड्डू, शहतूत

खेल का नाम या सामान -
कब्बडी, कंकड़, गिल्ली, पतंग, बल्ला, मार-कुटाई, लट्टू, शतरंज

'हमसे सब कहते' कविता में जिन लोगों, चीजों और जगहों के नाम आए हैं, उन्हें नीचे दी गई तालिका में लिखो।

लोग	चीज	जगह
भैया	खिलौने	घर-घर
अम्मा	हवा	बाहर
पापा	चाँदनी	अंदर
	सूर्य	यहाँ
	बादल	
	धूप	
	जलधार	

आओ, अब इन्हीं चित्रों से एक नई कहानी बनायें।

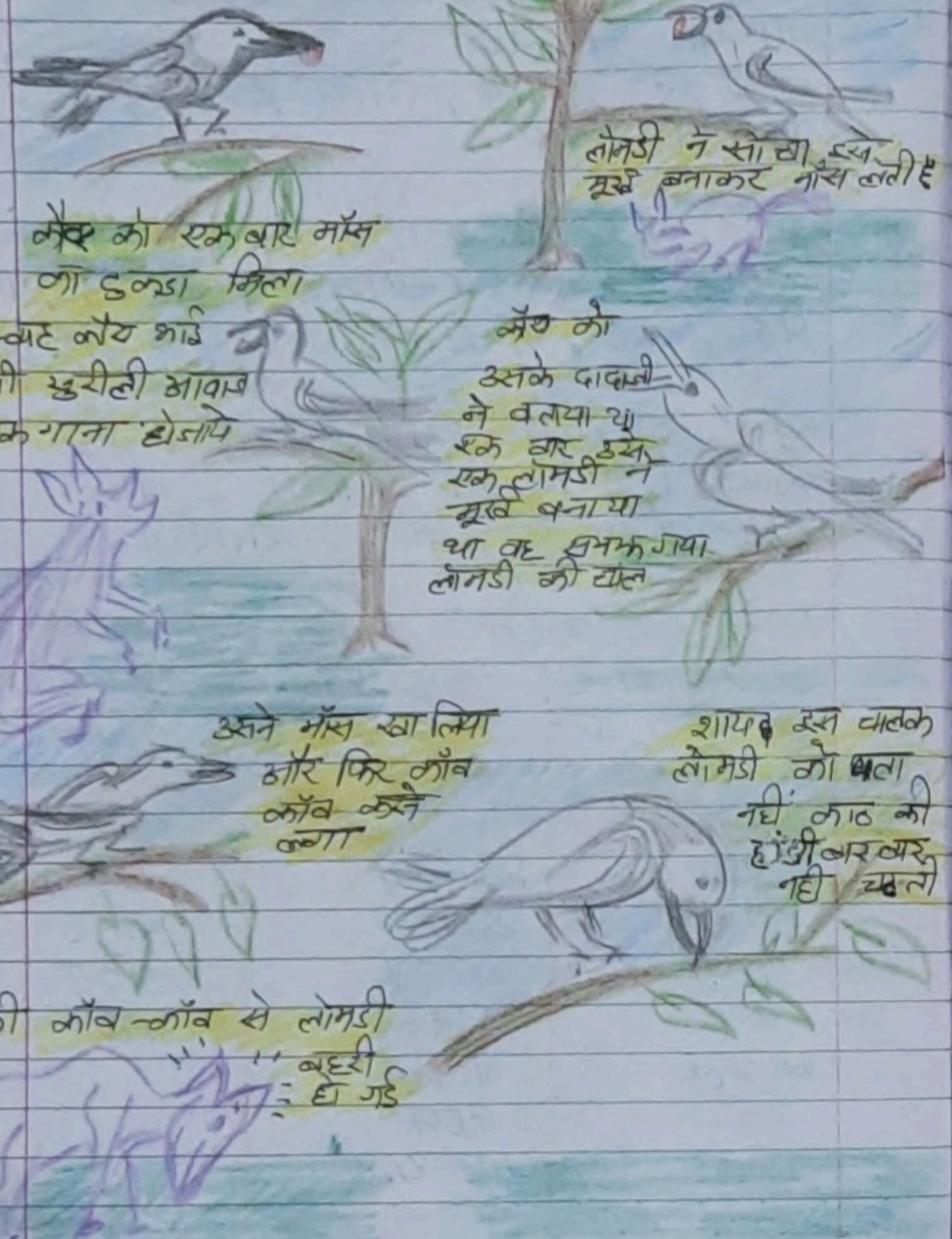

अतिरिक्त प्रश्न

समान अर्थ वाले शब्द

सूर्य	सूरज, भास्कर	जल	नीर, पानी, वारि
बादल	मेघ, जलद	हवा	पवन
चाँद	शशि, चंद्रमा	भैया	भ्राता, अनुज
अम्मा	माता जी	पापा	पिता जी

खाली स्थान भरो

1) बादल कहीं भी जलधार बरसा देते हैं।
2) बच्चों को सभी टोकते हैं।
3) सूरज को कोई भी धूप फैलाने से मना नहीं करता।
4) अम्मा घर में खिलौने फैलाने से मना करती है।
5) हवा भी बिना पूछे घर के अंदर आ जाती है।
6) संसार में धूप सूरज फैलाता है।
7) चाँदनी चाँद फैलाता है।
8) पापा बाहर खेलने को कहते हैं।

पाठ - ७

टिप टिपवा

नवीन शब्द

मूसलाधार : बहुत तेज़
इस मूसलाधार बारिश में तो सड़के उखड़ गई।

मुसीबत : कष्ट
करोना महामारी मे स्कूल जाना किसी मुसीबत से कम नही।

धोबी : जो कपड़े धोने का काम करता हो। धोबी ने कपड़े धोने के दाम बड़ा दिये।

पोथी बाँचकर : पत्रा देखकर
उसने पोथी बाँचकर घर जाने का फैसला लिया।

किस्मत : भाग्य
मूर्ख लोग भाग्य के भरोसे बैठे रहते है और समय निकल जाता है।

परेशान : दुःखी
परेशानी का हल ढूढ़ने के लिये प्रयास करना चाहिये।

खूँटे : पशुओं की रस्सी बाँधने के लिये गाढ़ी गई लकड़ी।

पोता : बेटे का बेटा
रामलाल का पोता उसी की तरह होशियार है।

हमला : आक्रमण
कायर घात लगाकर हमला करते हैं।

लट्ठ : डण्डा
गाँव के लोगों ने लट्ठ मार कर पागल कुत्ते को मार दिया।

उलीचना : बाहर फेंकना
बरसात के दिनों में पानी उलीचना मुझे अच्छा नही लगता, काश हमारा घर सीमन्ट का होता।

गायब : गुम होना
शरारती बच्चे हिन्दी अध्यापिका को देखकर मानो गायब हो गये।

कौन किससे परेशान

इस कहानी मे, लगता है सभी परेशान थे। बताओ कौन किससे परेशान था।

बुढ़िया अम्मा : टिपटिपवा से
बाघ : बारिश से
धोबी : गधा न मिलने से
पंडित जी : पानी फेंक-2 कर

मतलब बताओ

टिपटिपवा कौन-सी बला है?
टिपटिपवा किस मुसीबत का नाम है।

पत्नी की बात धोबी को जँच गई?
पत्नी की बात धोबी को पसन्द आई।

बाघ बिना चूँ-चपड़ किये भीगी बिल्ली बना धोबी के पीछे पीछे चल दिया।
बाघ बिना मना किये धोबी के पीछे चलने लगा।

जरा पोथी बाँच कर बताइये वह कहाँ है?
जरा पोथी देख कर बताइये कि वह कहाँ है।

याद करो तो

पोता दादी की गोद में कहानी सुनने के लिये मचल रहा था। तुम किन किन चीज़ों के लिये मचलते हो।
मैं नये कपड़ों के लिये, स्वादिष्ट मिठाइयों के लिये, कॉमिक्स के लिये और कम्प्यूटर गेम्स के लिये मचलता हूँ।

कौन है टिपटिपवा

तुम्हारे घर की बोली में इस बात को कैसे कहेंगे।
हाँ बेटा, मुझे न तो शेर से और न ही बाघ से डर लगता है, बस डर लगता है तो टिपटिपवा से।

कहानी में टिपटिपवा कौन था? तुम किस-किस को टिपटिपवा कहोगे?
टिपटिपवा झोंपड़ी की छत से टपकते पानी की बूँदे थी।
मैं धोबी को टिपटिपवा कहूँगा क्योंकि उसने बाघ जैसे खूँखार जानवर को भी डरा दिया

बारिश

यह कहानी एक ऐसे दिन की है

जब मूसलाधार बारिश हो रही थी अगर मूसलाधार बारिश की बजाये बूँदा-बाँदी होती, तो क्या होता?
यदि उस रात बूँदा-बाँदी होती तो छत नहीं टपकती और दादी पोते को टिपटिपवा वाली बात नहीं बताती।
उस रात बाघ भी वहाँ गाँव में नहीं आता क्योंकि वह बारिश की वजह से ही आसरा लिये हुए था।
धोबी वही घास में आज भी अपना खोया हुआ गधा ढूँढ रहा होता।

तरह तरह की आवाजें

पानी के टपकने की टिपटिप-टिपटिप आवाज आ रही थी। सोचो और लिखो यह आवाजें कब सुनाई पड़ती हैं।

खर्र-खर्र = खर्राटे लेते हुए या सोते हुए।
भिन-भिन = मक्खी के आस पास मण्डराने पर।
ठक-ठक = दरवाज़ा खट-खटाने पर।
चर्र-चर्र = चारपाई पर बैठते हुए

भक-भक = जंगल की आग के समय
तड़-तड़ = ओले टीन की छत पर गिरने के समय

खूँटा

धोबी ने बाघ को खूँटे से बाँध दिया। सोचो और बताओ, खूँटे से क्या-क्या बाँधा जाता है।
खूँटे से गाय, भैंस, बछड़ा, बैल बकरी, घोड़ा, गधा, हाथी और कुत्ता बाँधा जाता है।

एक से ज्यादा

एक कहानी - सभी कहानियाँ
एक तितली - कई तितलियाँ
एक शेरनी - दस शेरनियाँ
एक चूड़ी - ढेरों चूड़ियाँ
एक खिड़की - चार खिड़कियाँ

अतिरिक्त प्रश्न

टिपटिपवा किस राज्य की लोक कथा है
उत्तर प्रदेश

बाघ कहाँ बैठा था?
झोपड़ी के पीछे।

पाठ - ८

बंदर - बाँट

नवीन शब्द

मेज़पोश : मेज़ को ढकने वाला कपडा
यह मेज़पोश हमने बम्बई से लाया है।

गवाह : जिसने देखा हो
गवाह के अभाव मे बेगुनाह को सजा हुई।

धरम काँटा - तराज़ू
धरम काँटा तो खराब है अपने हिसाब से तोल दो।

खोट : दोष , बुराई
रमेश में कोई खोट नहीं, वह एक सुशील लडका है।

लपकूँ : झपटूँ
रीना के मन में आया कि मम्मी अन्दर जाये और वह केक पर लपकूँ।

हट : दूर जा
मोटर गाडी आती है तो हट जाओ।

कचहरी : न्यायालय
कचहरी में धनवान को न्याय मिलता है।

हड़पा : ले जाना (धोखे से या चतुराई से)
रमेश ने सोहन की जायदाद हडप ली

लड़ाई - झगडा

दोनो बिल्लियो के बीच झगडे की जड क्या थी?
दोनो के बीच झगडे की जड रोटी का एक टुकडा था। दोनो उसपर अपना हक जमाते थे।

उनके झगडे का हल कैसे निकल गया?
रोटी का टुकडा बन्दर ने खा लिया यह रोटी का टुकडा ही झगडे की जड था।
टुकडा खत्म होने से झगडा भी खत्म हो गया।

तुम किस किस के साथ अक्सर झगडते हो?
शासन वाले के साथ वह हमेशा कम तोलता है।

झगड़ते समय तुम क्या-क्या करते हो?
हम अपनी बात जोर जोर से कहते है।

जब तुम किसी से झगड़ते हो तो तुम्हारा फैसला कौन कराता है।
जब हम कक्षा में मित्रों के साथ झगड़ते है तो हमारा झगड़ा अध्यापक या मोनीटर समाप्त करता है। उसका फैसला हम मानते है।

जुड़ो

तुम निम्न लोगों से मिलने पर क्या कहती हो?
तुम्हारी सहेली - नमस्ते, हैलो
तुम्हारे शिक्षक - प्रणाम, सुप्रभात
तुम्हारी दादी - प्रणाम
तुम्हारे बड़े भाई - नमस्ते

अब पता लगाओ तुम्हारे साथी कक्षा में कितने अलग-अलग तरीकों से नमस्ते कहते है।
हैलो, हाय, सलाम, स्लामुअलयकुम, सतश्री अकाल, वनकम, गुड मोरनिंग।

तुम्हे क्या लगता है
अगर बंदर बीच मे नहीं आता तो तुम्हारी राय मे रोटी किस बिल्ली को मिलनी चाहिये थी?
दोनों बिल्लियों को बराबर रोटी मिलनी चाहिये थी।

बंदर ने बिल्लियों से यह सवाल क्यों पूछा होगा कि उन्होंने रोटी एक आँख से देखी थी या दोनों आँखों से?
एक टाँग से झपटी थी या दोनों टाँगों से?
बंदर दोनों बिल्लियों को मूर्ख बना रहा था। वह उन्हें यह यकीन दिला रहा था कि वह बात को समझने की कोशिश कर रहा है और न्याय करेगा।

बंदर-बाँट

कहानी का शीर्षक बन्दर-बाँट क्यों है?
बन्दर इस नाटक का नायक है वह चतुराई से फैसला भी करता है और अपना फायदा भी।
अतः दो की लड़ाई तीसरे का फायदा इसलिये इस कहानी का शीर्षक बन्दर बाँट है।

Page 70

तुम नाटक को क्या नाम देना चाहोगे?
मैं यह शीर्षक देना चाहूँगा
"दो की लड़ाई तीसरे का फायदा"
"आपसी सूझबूझ सबसे अच्छी'
'दोनो हारे, दोनो जीते'
'न कोई हारा न कोई जीता'
'जीत किसकी' आदि..

जो शीर्षक तुमने दिया, उसे सोचने का कारण बताओ?
इस नाटक मे झगडा करने वाली दोनो बिल्लियाँ हारी भी और जीती भी। अंततः यथा स्थिति ही बनी रही।
इसी लिये मैंने उपरोक्त शीर्षक दिये है।

मापतोल
नीचे दी गई चीजो में से किन चीज़ो को तोलकर खरीदा जाता है।

तरबूज़

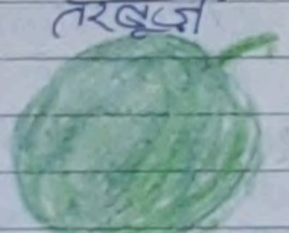

काशीफल चावल

तोलते वक्त एक पलडे मे तोली जाने वाली चीज़ रखी जाती है और दूसरे में तोलने के लिये बाट। बाट किस धातु या चीज़ का बना होता है
साधारनतः १०० ग्राम या उससे ज्यादा के बाट लोहे के बने होते है।
५० ग्राम, २० ग्राम, १० ग्राम, ५ ग्राम, २ ग्राम, १ ग्राम, आदि के बाट पीतल के बने होते है।

पता करो बाज़ार में कितने किलोग्राम या ग्राम के बट्टे मिलते है।
बाजार मे निम्नलिखित तरह के बट्टे मिले —
१० किलो, ५ किलो, २ किलो
५०० ग्राम, २५० ग्राम, १०० ग्राम, ५० ग्राम
२० ग्राम, १० ग्राम।

वाह क्या खुशबू है
तुम्हें किन किन चीज़ों के पकने की महक अच्छी लगती है?
हलवा, चिकन, राजमा और पुलाव आदि के पकने की महक अच्छी लगती है।

और किन किन चीजो की महक है

जो खाने से जुड़ी नहीं है।
पाउडर, इत्र, दवाई, फिनाइल
पेट्रोल, अगरबत्ती आदि-

आगे पीछे
उसी खोज में मैं भी निकली।
मैं भी उसी खोज मे निकली हूँ।

रखी मेज पर है वो रोटी।
वह रोटी मेज़ पर रखी है।

डरती थी उसतक जाने में।
मुझे वहाँ जाने मे डर लगता था।

मैं लेजाने तुझे न दूंगी।
मैं तुझे ले जाने न दूँगी।

जो पहले देखे हक उसका है रोटी पर
रोटी पर उसका हक है जिसने पहले
देखा है।

एक और बँटवारा
अगले दिन दोनों बिल्लियों को एक
तरबूज मिला। दोनों सोचने लगीं
इस तरबूज को कैसे बाँटा जाये
कि तभी वहाँ फिर से बन्दर आ

गया। आगे क्या हुआ होगा?
बन्दर बोला क्या हुआ फिर वही
समस्या है। मैं फिर से तुम्हारी
मदद कर देता हूँ।
बन्दर का इतना कहना था
कि तब तक बिल्लियों ने तरबूज
सफा चट कर दिया और बंदर
के हाथों में बीज और छिलका
थमा कर बोली होगी।
धन्यवाद भाई यह लो तुम्हारा
हिस्सा।

माथापच्ची
तस्वीर देखकर बताओ इनमें से
कट्टो बिल्ली कौन सी है?

-कट्टो

चित्र के बीचोंबीच वह बिल्ली
जिसके गले मे घण्टी है कट्टो
बिल्ली है।

अतिरिक्त प्रश्न

निम्नलिखित शब्दो के अर्थ लिखिये।

१ मेजपोश - मेज पर बिछाने वाला कपड़ा
२ लपकना - पकड़ना
३ कचेहरी - न्यायालय
४ हड़पना - छीनना
५ खोटा - खराब
६ प्रवेश - अंदर जाना
७ गवाह - साक्षी
८ पलड़ा - तराजू का पल्ला
९ फैसला - निर्णय

पाठ आधारित पर्यायवाची शब्द

हक - अधिकार
सुगंध - महक, खुशबू
खोज - तलाश
खोटा - महक
हड़पना - पूरा खा जाना

विपरीत अर्थ वाले शब्द

श्रीमान × श्रीमती
मूर्ख × अक्लमंद, बुद्धिमान
काली × सफेद
इधर × उधर
भारी × हल्का
ऊपर × नीचे

निम्नलिखित वाक्यो मे प्रयुक्त क्रिया का काल बताओ -

1) मेज पर रोटी का टुकड़ा गिरा हुआ था।
भूतकाल
2) बिल्ली रोटी लाई है।
वर्तमान काल
3) बंदर रोटी बाँटेगा।
भविष्य काल
4) माँ ने खाना बनाया था।
भूतकाल
5) हम रात को बाहर जायेगे।
भविष्य काल।

निम्नलिखित मे कौन सा माप आयेगा

आलू - किलोग्राम, कपड़ा - मीटर
दूध - लीटर, केला - दर्जन
तेल - लीटर, सड़क - किलोमीटर

किसने कहा, किससे कहा

1 चलो कचेहरी मेरे पीछे पीछे आओ
बन्दर ने दोनो बिल्लियो से कहा
2) दो टाँगो से, दोनो टाँगो से
बन्दर ने दोनो बिल्लियो से कहा
3) आप थक गये, अब न उठाये और तराजू
सफेद बिल्ली ने बन्दर से कहा

Page 15

अक्ल बडी या भैंस

नवीन शब्द

पहलवान : बलशाली, ताकतवर
रामू पहलवान इस साल कुश्ती मे फिर एक बार जीत गया।

अक्ल : बुद्धि, दिमाग
साधारण सी बुद्धि भी होती तो वह वहाँ नहीं जाता।

क्विंटल : सौ किलो मात्रा
शीना के पास एक क्विंटल धान है, वह पिसवाने आई है।

रुमाल : छोटा कपडे का टुकड़ा
हमेशा साफ रुमाल से ही नाक पोंछनी चाहिये।

विलोम शब्द

पहलवान × दुर्बल, आसमान × ज़मीन
अधिक × कम, अंदर × बाहर
आओ × जाओ, बाँधा × खोला

प्रश्नोत्तर

ठहाका किसे कहते है।
जोर से हंसनेको ठहाका कहते है।

आफंती ने पहलवान को क्या चुनौती दी?
आफंती ने पहलवान को रुमाल दीवार के पार फेंकने की चुनौती दी।

क्या पहलवान रुमाल फेंक पाया, क्यो?
जी नहीं, पहलवान रुमाल दीवार के पार नहीं फेंक पाया. क्योंकि वह हलकी थी।

पहलवान ने अपनी ताकत की शेखी कैसे मारी?
पहलवान ने कहा कि वह पाँच क्विंटल की चट्टान एक हाथ से उठाकर आसमान मे उछाल सकता है।

क्या आफंती ताकतवर था? क्यो?
नहीं आफंती ताकतवर नहीं था उसने छल से रुमाल दीवार के पार फेंका।

अक्ल बडी होती है या भैंस, बताओ।
हमारी ताकत की एक सीमा है परन्तु अक्ल से हम उसे बडा सकते है। उदाहरण अक्ल से ही इंसान ने चट्टान काटने वाला यंत्र बनाया।

पाठ: ६

कब आऊँ

नवीन शब्द

रंगाई : कपड़े रंगना
इस दुकन की रंगाई और छपाई लाजवाब है।

प्रशंसा : तारीफ
नेता जी अपनी प्रशंसा करते नहीं थकते।

ईर्ष्या : जलन
शीतल हमसे ईर्ष्या का भाव रखती है।

महसूस : संवेदना, प्रकट, स्पष्ट
राम ने महसूस किया कि वह भिखारी ढोंगी है।

परेशान : तंग
बिज्जली की कटौती से सब लोग परेशान है।

सेठ : धनवान
बहन ने सेठ जी की दुकान से मिठाई लाई।

खास : विशेष
सीता की पसंद बहुत खास है।

हुनर : कौशल, निपुणता, कला, गुण
राकेश के पास पतंग उड़ाने का हुनर है

मंसूबा : इरादा
गीता का मंसूबा सेठ का धन हथियाना था

भाँपते : आभास, अनुमान, अटकल,
सेठ जी ने गीता का मंसूबा भाँपते हुए उसे धन के लिये मना कर दिया।

दोबारा : फिर से, एक बार और
गीता ने दोबारा सेठ जी के घर जाने की हिम्मत नहीं की।

चाल : तरकीब, उपाय, युक्ति
सेठजी गीता की चाल समझ गये।

हिम्मत : साहस
देश में अपराधियों की हिम्मत बहुत बढ़ गई है।

खिसक : चुपचाप चला जाना
गीता विवाह उत्सव से हार चुराकर खिसक गई।

सेठ ने किस रंग में कपड़ा रंगने को कहा?
सेठ ने अवंती के ऐसे रंग में कपड़ा रंगने को कहा, जिसमे कोई रंग न हो।

अवंती ने कपडा अलमारी मे बंद कर दिया। क्यों?
अवंती को सेठ का इरादा समझ में आ गया इसलिये उसने कपड़े को अलमारी मे बंद करके रख दिया

सेठ कपडा लेने किस दिन आया होगा?
सेठ कपड़ा लेने नही आया होगा क्योकि वह समझ गया कि अवंती को उसकी चाल का पता चल गया है।

कौन छुपा है कहाँ?

अब भागो भी, बारिश होने लगी है।
गोभी

मामू लीला मौसी कहाँ है?
मूली

शीला के पास बैग नही है?
बैगन

रानी बोली - हमसे मत बोलो।
सेम

गोपाल कबूतर उडा दो।
पालक

सही जोडे मिलाओ

मुहावरे

चित्रों को देखो। क्या इन्हें देखकर तुम्हें कुछ मुहावरे या कहावतें याद आती हैं? उन्हें लिखो।

दिया तले अँधेरा

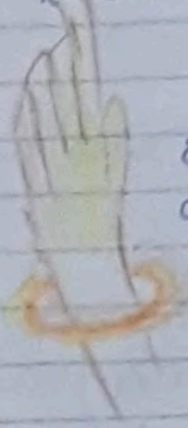

हाथ कंगन को आरसी क्या, पढ़े लिखे को फारसी क्या।

आस्तीन का साँप

एक और एक ग्यारह

कहो कहानी

विद्यालय, गुरुजी, छुट्टी, बंदर, डंडा, पेड़, केला, ताली, बच्चे, भूख।

इन शब्दों को पढ़कर तुम्हारे मन में कोई बात आई होगी। इन सब चीज़ों के बारे में एक छोटी-सी कहानी बनाओ और अपने साथियों को सुनाओ।

विद्यालय में गुरुजी कक्षा से बाहर प्राचार्य जी के कक्ष में गये थे, कि तभी छुट्टी की घण्टी बज गई।

बाहर बंदर दीवार पर चढ़कर हमारा इंतजार कर रहा था। डंडा लेकर हम भी बराबर के पेड़ पर चढ़ गये। केला दिखा कर उसे ललचाया वह न माना, ताली बजा कर उसे बुलाया वह न माना।

चिड़िया के बच्चे भूख से बिलख रहे थे हमने वह केला घोंसले के पास रख दिया और चले आये।

उछालो

एक रूमाल या कोई छोटा कपड़ा उछालकर देखो। किसका रूमाल सबसे ऊँचा उछलता है?

रूमाल के साथ बिना कुछ बाँधे उसे और ऊँचा कैसे उछाला जा सकता है?

निम्न तरीकों से ऊँचा उछाला जा सकता है।

1) रूमाल में कई गाँठे बाँध कर।
2) उसे गेंद की तरह लपेट कर।

Page 82

Page No. 78

समस्त समझदारी

रंगाई शब्द रंग से बना है। इसी तरह और शब्द बनाओ

रंग	रंगाई
साफ़	सफाई
चढ़	चढ़ाई
बुन	बुनाई
धोना	धुलाई आदि

क्या समझे

जिन शब्दों के नीचे रेखा खिंची है, उनका मतलब बताओ -

1) मुझे बैंगनी रंग कतई अच्छा नहीं लगता। बिल्कुल
2) अवंती ने सेठ का मंसूबा भाँप लिया। योजना
3) मैं तुम्हारा हुनर देखना चाहता हूँ कला
4) सेठ बुलंद आवाज में बोला स्वर, वाणी
5) सेठ को ईर्ष्या होने लगी जलन
6) रंग के बारे में मेरी कोई खास पसंद तो है नहीं। विशेष

कैसा लगा आफंती

आफंती के बारे में कुछ वाक्य

Page 83

Page No. 79

लिखो। तुम उसके कपड़ों, शक्ल-सूरत पालतू पशु, बुद्धि आदि के बारे में बता सकती हो।

आफंती लम्बा अचकन पहनता था। उसके चेहरे पर दाढ़ी थी। वह एक गोल टोपी पहने रहता था। उसके पास एक पालतू गधा था। वह समझदार था और बुद्धि के महत्व को मानता था।

जोड़े ढूँढो -

दिन - दीन मेला - मैला

ऊपर दिए गये शब्दो के जोड़ो में, केवल एक मात्रा बदली गई है। किसी भी मात्रा को बदलने से अर्थ भी बदल जाता है। ऐसे और जोड़े बनाओ। देखें, कौन सबसे ज्यादा जोड़े ढूँढ पाता है।

राज़	राज	आदि	आदी
हर	हार	पिता	पीता
बनी	बीन	ओर	और
चाल	चला	ग्रह	ग्राह
गीला	गाली	सुत	सूत
जाति	जाती	मिल	मील

कुछ कलाकारी - चित्र कथा।

क्या है फालतू

कभी कभी हम अपनी बात करते हुए ऐसे शब्द भी बोल देते है जिनकी कोई जरूरत नहीं होती। इसी तरह इन वाक्यो मे कुछ शब्द फ़ालतू है। उन्हें ढूँढकर अलग करो :-

1) बाजार से हरा धनिया पत्ती भी ले आना।
2) एक पीला पका पपीता काट लो।
3) अरे! रस मे इतनी सारी ठंडी बर्फ क्यों डाल दी?
4) ज़ेबा, बगीचे से दो ताज़े नींबू तोड़ लो।
5) बेकार की फालतू बात मत करो।

अतिरिक्त प्रश्न

अनुस्वार लगाकर शब्दो को शुद्ध

बुलद - बुलंद , अदर - अंदर
रग - रंग , अवती - अवंती

सही जगह नुक्ता लगाकर शब्दो को फिर से लिखिये।

तारीफ - तारीफ़ दरवाज - दरवाज़ा
कागज - काग़ज़ जरा - ज़रा
माफी - माफ़ी कॉफी - कॉफ़ी

बहुवचन लिखो

कपडा कपडे दुकान दुकाने
टुकड़ा टुकडे दरवाज़ा दरवाज़े

किसने कहा किसको कहा
अच्छा, तो इसे लेने किस दिन आऊँ
सेठ ने अवंती से कहा

समझ गया हूँ, अच्छी तरह समझ गया हूँ
अवंती ने सेठ से कहा

विशेषण ढूँढ कर लिखो
1) सेठ जी कपडे काले रंग मे रंगवाना चाहते थे। काले विशेषण है (रंग)
2) अवंती की दुकान छोटी थी।
3) सेठ ईर्ष्यालु व्यक्ति था।
4) अवंती समझदार व्यक्ति था
5) सारे कपडे रंग डालो।

रिक्त स्थान भरिये।
1) अवंती गाँववालों के लिये कपडा रंगता था।
2) धीरे-धीरे रंगाई की दुकान चल पडी
3) सेठ अवंती के घर के दरवाज़े के अंदर घुसते ही बोलने लगा था।
4) अवंती ने सेठ का इरादा भाँप लिया था।

5) सेठ समझ गया कि उसकी चाल उल्टी पड़ चुकी है।
6) सेठ जी इस कपडे को आप किस रंग में रंगवाना चाहते है? कोई
7) रंग के बारे मे मेरी कोई खास पसंद नही है।
8 मै जरूर आपकी पसंद की रंगाई कर दूँगा।
9 सेठ ने दोबारा अवंती की दुकान में घुसने की हिम्मत नही की।

किसने कहा किससे कहा
(क) तुम्हारी काफी तारीफ सुनी थी इसलिये आया हूँ।
सेठ ने अवंती से कहा।
(ख) इस कपडे को आप किस रंग में रंगवाना चाहते है।
अवंती ने सेठ से कहा
(ग) समझ गया हूँ, अच्छी तरह समझ गया हूँ।
अवंती ने सेठ से कहा
(घ) अच्छा तो इसे लेने मे किस दिन आऊँ।
सेठ ने अवंती से।

क्योंजीमल और कैसे-कैसलिया

नवीन शब्द

जवाब - उत्तर
न्यायाधीश ने बबीता से जब जवाब माँगा वह कुछ न बोल सकी

मुलाकात - भेंट, मिलना
आज मेरी मुलाकात प्रधानमंत्री से हुई।

भटकते - आवारा घूमते
वह भटकते हुए पुरानी हवेली मे चला गया।

पिसवाना - चूरा बनाना
गेहूँ पिसवाने जाना है थैला ले आओ।

चक्की - पीसने का यंत्र
पवन चक्की हवा से चलती है।

समझो...
कम्हरी? गुरुजी थैली मे क्या लिये जा रहे थे?
गुरूजी थैली में गेहूँ लिये जा रहे थे।

क्योंजीमल और कैसे-कैसलिया से मिलने पर तुम दोनों के बीच में क्यों भटकते रह जाओगे?
हम इसलिये भटकते रह जायेगे क्योंकि वह अपने क्यों-क्यों और कैसे-कैसे में हमे उलझा देंगे।

रोटी एक नाम अनेक

रोटी को अलग-अलग जगहों पर अलग-अलग नाम से पुकारा जाता है। कुछ और नाम पता कर के लिखो?
पराँठा, चपाती, फुल्लका, नान, रोठ

शिवदास ने गुरूजी की थैली देखकर अपनी गाडी क्यों दे दी?
शिवदास ने गुरूजी की थैली देखकर अपनी गाडी इसलिये दे दी क्योंकि उन्हें गुरुजी के बुढापे पर दया आ गई। उन्होंने सोचा गुरुजी गाडी पर गेहूँ आराम से ले जायेगे।

तुम्हारे घर में आटा सानने को क्या कहते हैं?
आटा गूँथना

गुरुजी कौन से आटे की रोटी

खाते थे ? अपने साथियों घर के बड़ों से पता करो कि क्या किसी और चीज़ की रोटी भी बनती है ? उनके नाम लिखो । यदि उसका दाना या बाली मिलती है तो उसे भी अपनी कापी में चिपका दो।

मक्की के आटे की
ज्वार के आटे की
बाजरा के आटे की
चावल के आटे की
सूजी के आटे की
कुट्टू के आटे की
जौ के आटे की
चने के आटे की

रोटी क्या ऐसे बनेगी ?
सही क्रम नीचे दिया गया है।

1) गेहूँ को पिसवाएँगे
2) आटे को सानेंगे
3) चकले पर बेलेंगे
4) तवे पर पकाएँगे
5) आग पर फुलाएँगे
6) गरम गरम खाएँगे

गुरुजी ने कैसे-कैसलिया को समझाया कि आटा कैसे साना जाता है।

अब तुम घर पर किसी को रोटी बेलते देखो और लिखो कि रोटी कैसे बेली जाती है।

रोटी बेलने के लिये –
पेडे पर सूखा आटा लगाओ और चकले पर बेलन से बेलो।
फिर सूखा आटा डालो और दूसरी तरफ से भी बेलो
हाथों में उठा कर
अतिरिक्त आटा झाड़ दो
रोटी सेंकने के लिये तैयार है।

रोटी बनाने के लिये कितना कुछ काम करना पड़ता है जैसे सानना बेलना आदि। पता करो और लिखो कि इन्हें बनाने के लिये क्या करना पडता है –

1 चाय बनाने के लिये –
पानी गर्म करके उसमे पत्ती और चीनी डाल दो।
उसमे दूध डाल कर उबाल दो और छान कर कप मे डाल दो।

2 सब्जी बनाने के लिये –
कटी हुई सब्जी को कड़ाई मे मसाले और प्याज, लहसुन आदि के

साथ छौंक दो। अब पानी डाल
कर सब्जी पकने तक उबालिये
अन्त मे स्वाद अनुसार नमक
डालो।

दाल बनाने के लिये
पहले सी भीगोई हुई दाल को
धो लो।
कुक्कर मे टमाटर प्याज, लहसुन
को अन्य मसालो के साथ
तेल मे तल लो।
अब इसमे दाल और दो गुणा
पानी डाल कर 4 सीटी तक
पका लो।

हलवा बनाने के लिये
घी मे सूजी को भून लो, अब
उसमे चीनी और पानी डाल कर
उबाल दो।
सूखा मेवा डाल कर परोसो।

लस्सी बनाने के लिये
दही मे चीनी और पानी डाल कर
मथानी से मथ लो और गिलास
मे डाल लो। बर्फ भी डाल सकते
है।

दाम

नीचे कुछ आटो के नाम लिखे हैं।
उनके दाम पता करो।

नाम	वज़न	दाम
मक्की	एक किलो	100 रू
बाजरा	एक किलो	200 रू
चना	एक किलो	220 रू

आसपास

हम गेहूँ पिसवाने आटा-चक्की पर
जाते है। हम इन कामों के लिये
कहा जाते है?
आटा खरीदने - परचून की दुकान
पर।
पंचर बनवाने - टायर ट्यूब मे
हवा वाली दुकान पर।
दूध खरीदने - हलवाई की दुकान
पर।
जूते की मरम्मत - मोची की दुकान
पर।
सुराही खरीदने - कुम्हार की दुकान
पर।
कॉपी किताब खरीदने - स्टेशनरी की दुकान
पर।
बाल कटवाने - नाई की दुकान
पर।

अपने घर के पास की आटा चक्की पर जाओ और पता करो कि-
वहाँ क्या क्या पिसता है-
गेहूँ, चना, ज्वार, बाजरा, चावल

आटा चक्की किस चीज से चलती है।
बिजली की मोटर से।

दिन में चक्की को कितनी बार रोका जाता है।
अनेक बार (कम से कम 10 बार)

कैसे बनेगी रोटी

सामान का नाम	इस्तेमाल
लोटा	पानी रखने के लिये। पानी पीने के लिये
कप-प्लेट	चाय पीने के लिये
कडाही	हलवा पूरी और सब्जी बनाने के लिये।
आचार का डब्बा	आंचर बनाने के लिये आचर रखने के लिये।

अतिरिक्त प्रश्न

शुद्ध कर के लिखो

गेहू गेहूँ चककी चक्की
बाजार बाज़ार नमसते नमस्ते
मूलाकात मुलाकात गुरू गुरु

विशेषण ढूंढो और लिखो

1) मैं खेत से ताजा टमाटर लाया हूँ।
2) थैले मे दस किलो गेहूँ का आटा है।
3) तुम हरी सब्जी खाया करो।

पर्यायवाची शब्द लिखो

आँख नयन, नेत्र, लोचन
कपड़ा वस्त्र, वसन, चीर.
आग अनल, अग्नि, ज्वाला
घर गृह, निकेतन, आलय
धन कुबेर, पैसा, दौलत
दोस्त मित्र, सखा, सहचर

खाली स्थान भरो

1) वास्तव मे साइकिल शिवदास की थी।
2) गेहूँ पिसवाने से आटा प्राप्त होता है।
3) गेहूँ चक्की मे पीसा जाता है।
4) रोटी तवे पर पकाई जाती है।
5 आटे को सानेंगे बेलेंगे, तवे पर पकाएँगे आग पर फुलाएँगे।

सर्दी आई

नवीन शब्द

लादे : पहने, लपेटे
सर्दी ज्यादा है वह तो बिना जैकेट लादे ही घूम रहा है।

सुकड़ी : सिमटी
करोना महामारी से देश की आर्थिक हालत सुकड़ी हुई है।

ठिठुर : काँपता हुआ
उस ठिठुर रहे गरीब को सेठ जी ने कम्बल दिया।

ज़र्दी : अण्डे के अंदर का पीला भाग
वह अण्डे की जर्दी नही खाता।

विलोम शब्द

सर्दी × गर्मी   धूप × छाँव
आई × गई   अंदर × बाहर
दुबला × तगड़ा   पैर × सिर
बेदर्दी × हमदर्दी   जमना × पिघलना

सर्दी के मौसम मे हम क्या करते है?

सर्दी के मौसम मे हम -
गर्म कपड़े (ऊनी) पहनते हैं।
गर्म खाना खाते है
बिस्तर मे बैठे रहते हैं।

क्या तुम्हे सर्दी पसंद है? क्यों?
मुझे सर्दी पसंद है क्योंकि मुझे जैकेट और मफलर पहनकर सैर पर जाना अच्छा लगता है सर्दी मे हम गर्म खाना खा सकते है।

कवि ने सर्दी के मौसम को बेदर्दी क्यों कहा?
कवि ने सर्दी के मौसम को बेदर्दी सर्दी के प्रभाव की वजह से कहा है जैसे कि
1) नाक लाल हो जाती है
2) चाल सुस्त हो जाती है
3) लोग काँपते और हाँफते हैं।
4) शरीर मे ठिठुरन भर जाती है।

जाड़ा किस मौसम को कहते हैं?
जाड़ा सर्दी (सर्दियों) के मौसम को कहते है।

पाठ 11

Page No.: 94

Page No.: 95

मीरा बहन और बाघ

नवीन शब्द

तलाश : खोज, ढूँढना
वैज्ञानिक मंगल ग्रह पर जीवन खोज रहे हैं।

मालूम : पता होना
मुझे देश का भविष्य मालूम है।

चकित : हैरान
पुलिस को देख कर गीता चकित रह गई।

योजना : विचार करना
चोरों की योजना विफल हो गई।

अक्सर : हमेशा
अक्सर हम भोजन के साथ पानी पीते हैं जो कि गलत है।

चिंता : फ़िक्र
मुझे देशवासियों की चिंता है।

स्थापना : स्थित करना
युक्रेन में शाँति स्थापना विफल रही।

विचारों : सोंच
राम के विचारों में शुद्धता है।

खतरनाक : घातक
शेर खतरनाक पशु है और विशाल भी है।

पिंजड़ा : जानवर पकड़ने का उपकरण
आदमखोर शेर के लिये पिंजड़ा लगाओ।

कहानी से

कहानी में बाघ को खतरनाक जानवर बताया गया है। नीचे दी गई सूची में सबसे खतरनाक चीज़ तुम्हारी समझ में क्या है और क्यों?
मेरी समझ मे निम्नलिखित चीज़े क्रम से खतरनाक है।
1) बिजली - खून सुखा कर मारती है
2) आग - अनियंत्रित होकर घातक होती है
3) चाकू - से कट सकता है।
4) काँच - घुस सकता है।

मीरा बहन की बातें सुनकर गाँव के लोगों को निराशा हुई होगी। उन्होंने मीरा बहन से क्या कहा होगा? सोचकर गाँव के लोगो की बातें लिखो।
वह जरूर मीरा बहन की बातें सुनकर

नाराज हुए होंगे और कुछ लोगो
को गुस्सा भी आया होगा कि
आदमखोर या खतरनाक जानवर
पर दया दिखाना स्वयं अपनी
मृत्यु को दावत देना है।
उन्होने कहा होगा-
"यह आपने क्या किया जानवर
पर दया।"
"यह आपने ठीक नही किया"
"आपकी वजह से हम मुसीबत
से बाहर नही निकल पाये" आदि

खतरनाक है या नही

गेवली गाँव के आसपास के जंगलो
मे बाघ जैसे खतरनाक जानवर
भी रहते होंगे। तुम्हारे हिसाब से
नीचे लिखे जंतुओ में से कौन-कौन
खतरनाक हो सकते है? उन पर
गोला लगाओ।

चीता, साँप, बिच्छू

तिलचट्टा, भालू

चीता : जब भूखा होता है।
साँप : जब उसे खतरा महसूस
हो। वैसे एक शर्मीला जीव है

बिच्छू : जब उसे खतरा महसूस
हो वैसे शर्मीला होता है।
तिलचट्टा : जब भोजन को दूषित करें।
भालू : जब भूखा हो। तब
हिंसक होता है।

पिंजड़ा

चूहा पकड़ने का पिंजड़ा देखकर
बताओ कि वह अपने आप कैसे
बंद हो जाता है और एक बार
बंद हो जाने के बाद चूहा
उससे बाहर क्यों नहीं आ पाता?
वह एक स्परिंग की मदद से
बन्द हो जाता है।
दरवाजा बन्द हो जाने पर पिंजड़ा
एक बक्सा जैसा बन जाता है।

गाँव वालों ने बाघ को पिंजड़े
में बन्द करने की योजना बनाई
थी। किसी आज़ाद पशु या पक्षी
को पिंजड़े में बंद करके रखना
सही है या गलत? क्यों?
यदि वह पशु आपके लिये खतरा
बन गया है तो हाँ। कभी कभी
शेर या चीता आदमखोर हो जाता
है। तब उसे पकड़ना सही है।

कुछ लोग अपने मनोरंजन के लिये पशु पक्षियों को कैद करते है यह गलत है क्योंकि यह उनके स्वभाव के विपरीत है वह मानसिक तनाव मे आ जाते है, और बीमार भी हो जाते है।

क्यों कैसे

अपने मन मे सोच कर लिखो,
ऐसा कैसे किया होगा?
बाघ की खबर पूरे गाँव में फैल गई। कैसे?
गाँव छोटा था और कम आबादी वाला था। लोग आपस मे मिलकर सलाह आदि करते थे इसलिये बाघ की खबर पूरे गाँव मे फैल गई।

लोग मीरा बहन के पास पहुँचे क्यों?
लोग मीरा बहन के पास अपनी समस्या के समाधान के लिये पहुँचे। उन्हे यकीन था कि मीरा बहन कोई हल निकाल देगी।

पिंजड़ा बिना बाघ के बंद हो गया कैसे?
मीरा बहन ने पिंजड़ा बन्द कर दिया था।

बकरी कहे कहानी

सोचो अगर यह कहानी बकरी सुनाती, तो क्या-क्या बताती। उसकी कहानी मज़ेदार होती न?
कहानी बकरी की जुबानी –
उस रात बहुत ठण्ड थी मै बाकी जानवरो के साथ बाड़े मे ही थी। तभी एक बाघ गाय पर झपटा और उसे घसीट कर ले गया।
गाँववालो ने सुबह उस बाघ को पकड़ने की योजना बनाई पर मुझे बली का बकरा बना दिया। मै बहुत डरी हुई थी लेकिन गाँव वालों ने मेरी एक न सुनी और मुझे उस पिंजड़े में बन्द कर दिया जिसे बाघ को पकड़ने के लिये बनाया था।
मैं ज़ोर-ज़ोर से मिमियाने लगी तभी मीरा बहन आई, उन्होने मुझे निकाला, पिंजड़ा बंद कर

कर दिया और मेरी जान बचाई। सुबह गाँव वालों ने जब पिंजड़ा बिना मेरे और बाघ के देखा तो मीरा बहन से पूछने लगे।

उन्होंने मीरा बहन को ही गलत ठहराया।

चलो पकड़ें

गाँववालों ने बाघ को पकड़ने के लिये एक योजना बनाई थी। कक्कू के घर में रोज़ बिल्ली आकर दूध पी जाती है। कक्कू की मदद करने के लिये कोई योजना बनाओ।

हम कक्कू के घर के बाहर एक कुत्ता बाँध देंगे बिल्ली कुत्ते को देखकर डर जायेगी और चली जायेगी।

पाठ के आगे

यह सभी चित्र किसी एक व्यक्ति से जुड़े हुए हैं? पता करो कौन?

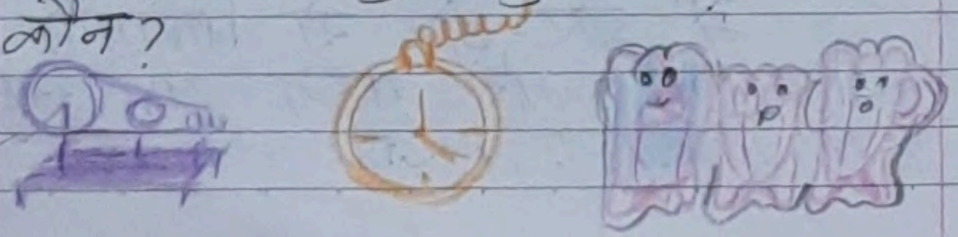

यह सभी चित्र गांधी जी से जुड़े हुए हैं।

कौन क्या है

बाघ, गाय, बकरी, हाथी और हिरन जानवर हैं। नीचे लिखी हुई चीजें क्या है? खाली जगहों में लिखो।

1) अगरतला, अल्मोड़ा, रायपुर, कोच्चि, वडोदरा। - शहर (जगह)
2) जलेबी, लड्डू, मैसूरपाक, कलाकंद, पेड़ा। - मिठाइयाँ
3) नर्मदा, कावेरी, सतलुज, ब्रह्मपुत्र, यमुना - नदियाँ।
4) बरगद, नारियल, पीपल, चीड़, नीम - पेड़
5) गेहूँ, बाजरा, चावल, रागी, मक्का - अनाज
6) कुर्ता, साड़ी, फिरन, लहँगा, कमीज - पोशाक

कोयल कू-कू, बकरी मैं-मै

जानवर और उनकी बोलियाँ।

जानवर	बोलियाँ
भैंस	रँभाना
घोडा	हिनहिनाना
हाथी	चिंघाड़ना
बकरी	मिमियाना
शेर	दहाड़ना
गधा	रेंकना
गाय	रँभाना
कुत्ता	भौंकना

ठीक करो

अब इसी तरह इन वाक्यों को ठीक करो।

धूप बैठकर ढोकला खाया
धूप मे बैठकर ढोकला खाया

पुतुल काम करने मना कर दिया
पुतुल ने काम करने से मना कर दिया

लता सब मूँगफली खिलाई
लता ने सबको मूँगफली खिलाई

पहाड़ी गाँवो बाघ डर बना रहा है।
पहाडी गाँवो में बाघ का डर बना रहता है।

लता सब मूँगफली खिलाई
लता ने सबको मूँगफली खिलाई

पहाड़ी गाँवों बाघ डर बना रहता है
पहाडी गाँवो मे बाघ का डर बना रहता है।

अब वे सभी शब्द फिर से लिखो जिन्हें तुमने जोड़ा है।
मे, ने, से, को, का इन शब्दो से इन्हे जोडा गया है।
इन शब्दों को कारक कहते हैं।

अतिरिक्त प्रश्न

बहुवचन लिखो

नारी	नारियाँ	बहन	बहने
नदी	नदियाँ	पुस्तक	पुस्तके
धारी	धारियाँ	पिंजडा	पिंजडे
रोटी	रोटियाँ	बकरी	बकरियाँ
मूली	मूलियाँ	भैंस	भैंसे
बिल्ली	बिल्लियाँ	लडका	लडके
क्यारी	क्यारियाँ	दरवाज़ा	दरवाज़े
ताली	तालियाँ		
थैली	थैलियाँ		
लडकी	लडकियाँ		

मीरा बहन को जन्म कहाँ हुआ था?
मीरा बहन का जन्म इंग्लेंड मे हुआ था।

वह किसको छोड़कर भारत आ गई।
वह गांधी जी के विचारो से प्रभावित होकर अपने माता पिता और घर को छोड़कर भारत आ गई।

वह किसके साथ काम करने लगी?
वह गांधी जी के साथ मिलकर काम करने लगी।

उन्होंने आश्रम की स्थापना कहाँ की?
उन्होंने आश्रम की स्थापना उत्तर प्रदेश के एक पहाड़ी गाँव गेवली में की थी।

मीरा बहन का सारा समय कैसे बीतता था?
मीरा बहन का सारा समय पालतू पशुओ की देखभाल में बीतता था।

पिंजड़ा गोपाल आश्रम के नज़दीक क्यो रखा?
पिंजड़ा गोपाल आश्रम के नजदीक

इसलिये रखा क्योंकि बाघ अक्सर वहाँ दिखाई देता था।

निम्नलिखित वाक्यों मे से क्रिया-विशेषण शब्द चुनकर लिखो—

१) बकरी बाहर मिमिया रही है।
बाहर

२) गाँधीजी धीरे-धीरे बोलते है।
धीरे धीरे

३) मैं पाँच बजे जाऊँगा
५ बजे।

४) आइए भीतर बैठें।
भीतर।

५) बाघ ने इधर-उधर देखा
इधर-उधर।

जो शब्द क्रिया की विशेषता बताते है उन्हे क्रिया विशेषण कहते हैं।

लिंग बदलो पाठ आधारित

माता :- पिता   छात्र - छात्रा
बहन :- भाई
शेर :- शेरनी
बाघ :- बाघिन
बकरी :- बकरा
आदमी :- औरत
गाँववाला — गाँववाली।

Page 10

कहानी की कहानी

नवीन शब्द

घेरकर - वृत आकार मे घेरा.
शाम को सब लोग घेरकर बैठ गये और मिठाई खिलाने लगे।

इशारा - संकेत
आगे दाहिने मुड़ने का इशारा है।

सिलसिला - लगातार
देश मे चोरियों का सिलसिला चल पड़ा है।

तरीके - ढंग
गीता ठीक तरीके से कपडे नहीं पहनते है।

सँभली - सुरक्षित
मिठाई के डब्बे का ढक्कन बंद कर दो इससे वह ताजी भी रहेगी और सुरक्षित भी।

कलम - लेखनी
अब कलम और दवात की जगह बॉल पेन ने लेली है

पसंद - मन को अच्छी लगना, भाना
वह साइकिल मीता को पसंद है।

पोथियों - एक प्रकार की किताब
इन पोथियों में अदभुत ज्ञान दिया है।

पंक्ति - कतार, तार, मार्ग
इस कविता की पंक्तियाँ बहुत गूढ़ है।

भाषा - बोली
अंग्रेजी भाषा मे २६ वर्ण है।

पुराने जमाने में लोग किस तरह की कहानी सुनते थे और सुनाते थे।
राजा-रानी, परियो की, बोलने वाले और उठने वाले जानवरें की कहानियाँ।

पुराने जमाने में कहानी कौन सुनाता था
माँ-बाप, दादा-दादी, नाना-नानी।

कहानी सुनाने के अलग-अलग तरीके कौन से हैं।
आवाज बदलकर, आँख मटकाकर, गाकर।
पहले लोग किसपर और किससे लिखते थे
पत्तो पर, पत्थरो पर, पंखो से बाँस को नुकीली बना कर लिखते थे

पाठ - 12

जब मुझको साँप ने काटा

नवीन शब्द

रेंगते - घसिटते हुए
साँप रेंगते हुए घर में घुस गया।

नन्हा - छोटा सा
नन्हा सा बच्चा बहुत सुन्दर गाता है।

खबरदार - सावधान
खबरदार हो जाओ पुलिस आ रही है गीता ने हम से कहा।

बर्र - ततैया
बर्र के काटने पर दर्द होता है।

निशान - चिन्ह
शेर से लड़ते हुए उसके शरीर पर चोट के निशान बन गये।

झोपड़ी - घास-फूस का घर।
गरीब लोग झोपड़ी मे रहते हैं।

उदास - दुःखी
उदास मत हो जाओ, ध्यान से पढ़ो अच्छे अंक से उत्तीर्ण हो जाओगे

अहाता - आँगन
वह अहाते मे बैठ कर धूप सेंक रहा है।

जहरीले - विषैला
साँप जहरीले जानवरो की श्रेणी मे आता है।

अद्भुत - अलग (अच्छा)
इस मंदिर के दर्शन अद्भुत है।

कहानी की बात

नाना मुझे झाड़-फूँक वाले आदमी के पास क्यों ले गए?
नाना ने समझा कि मुझे साँप ने काटा है इसलिये वह मुझे झाड़-फूँक वाले आदमी के पास ले गये।

मैं बूढ़े आदमी को क्या बताना चाहता था?
मै बूढ़े आदमी को यह बताना चाहता था कि मुझे साँप ने नही बर्र (ततैया) ने काटा है।

जब साँप नारियल के खोल में घुस गया तो मैंने क्या किया था

जब साँप नारियल के खोल में घुस गया तो मैंने एक पत्थर के टुकड़े से खोल का मुँह बंद कर दिया। जिससे साँप बाहर न आ सके।

क्या बूढ़े आदमी ने सचमुच मेरा इलाज कर दिया था? तुम ऐसा क्यों सोचते हो?
नहीं, बूढ़े आदमी ने सचमुच तुम्हारा इलाज नहीं किया था क्योंकि तुम्हें साँप ने काटा ही नहीं था, तो इलाज कैसा!

मुझे असल में साँप ने नहीं काटा था। फिर मैंने अपनी कहानी का नाम जब मुझको साँप ने काटा क्यों रखा है? तुम इससे भी अच्छा कोई नाम सोचकर बताओ?
यह कहानी जानवर के काटने के डर के इर्द-गिर्द घूमती है। साँप एक जहरीला जानवर है और उसके काटे जाने का डर भी खूब है तो यह शीर्षक ठीक है।
अन्य शीर्षक - अंधविश्वास, नाना नानी का प्रेम, भोले भाले गाँव वाले।

दुई माँ

कहानी में लड़के को बर्र काट लेती है। बर्र का डंक होता है। कुछ और कीड़ों (जंतुओं) का नाम लिखो जो डंक मारते हैं।
बिच्छू, मधुमक्खी, ततैया, भौंरा चींटी, मच्छर आदि

तुम्हारी बात

मैं बूढ़े को कुछ बताना चाहता था पर बता नहीं सका। क्या तुम्हारे साथ भी कभी ऐसा हुआ है।
नहीं मेरे साथ ऐसा कभी नहीं हुआ

क्या तुमने कभी साँप को देखा है? तुमने साँप कहाँ देखा? उसे देखकर तुम्हें कैसा लगा?
जी हाँ, मैंने साँप को देखा है। मैंने साँप को घर के पीछे झाड़ियो में देखा है। उसे देखकर मुझे डर लगा।

अपने घर पर पूछो कि अगर किसी को साँप काट ले तो वे क्या करेंगे? मैंने पिता जी से पूछा, उन्होंने कहा कि घाव को पोटाशियम

नाइट्रेट से घाव को धोना चाहिये घाव के ऊपर की तरफ कस कर बाँध लेना चाहिये।

अन्धविश्वास में न फँसते हुए डाक्टर के पास जाना चाहिये।

अब क्या करें?

तुम क्या करोगी अगर तुम्हें या तुम्हारे आसपास:

किसी को बबूल काट ले?
उस जगह को लोहे की चीज से रगड़ेंगे और काँटे को निकाल लेंगे।

किसी को चोट लग जाए?
चोट को डिटोल से धोएगें और चिकित्सक के पास जाएगे।

किसी की आँख में कुछ पड़ जाए?
आँखों को ठण्डे पानी से धोएगे।

किसी की नाक से खून बहने लगे।
यदि नाक से खून बहने लगे तो सिर पर ठण्डा पानी डालना चाहिये।

जरा सोचो तो

नारियल के खोल जैसी और कौन-2 सी चीजो में साँप छिप सकता है?
खाली डब्बे या बोतल मे।
कबाड़ के सामान में।

वह खोल अहाते में कैसे पहुँचा होगा?
नारियल खाकर घर के किसी सदस्य ने खोल अहाते मे फेंक दिया होगा।

घर के हिस्से

नीचे कुछ शब्द दिये गये है। उन शब्दो में से कुछ शब्द घर से संबंधित हैं। उन पर घेरा लगाओ।

अहाता आँगन बरामदा जीना अटारी, आला, सीढी, छत, रसोई, छज्जा कमरा, मुँडेर

क्या समझे

नीचे लिखे वाक्यों का मतलब बताओ-
1) साँप पास की झाड़ी मे गायब होगया
साँप पास की झाडी में छिप गया।

२) वह चट्ट मुझे गोद में उठाकर भागे।
वह तुरत मुझे गोद में उठाकर भागे।

३) अब बच्चा खतरे से बाहर है।
अब बच्चे को कोई खतरा नहीं है।

४) नाना ने उसके लिये बहुत-सी चीज़े भेंट मे भेजी।
नाना ने उसके लिये बहुत सी चीज़े उपहार मे भेजी।

कैसे कहा

अलग-अलग निशानों से पता चलता है कि बात कैसे कही गई होगी। अब नीचे लिखे वाक्यों मे सही निशान लगाओ। अब इन्हें बोलकर देखो।

। विराम का चिन्ह
! विस्मय आदि बोधक चिन्ह
? प्रश्न सूचक

नानी चीख उठी, साँप!
साँप धीरे-धीरे रेंग रहा था।
क्या तुम बाज़ार चलोगी?
चुपचाप बैठो। हिलना-डुलना मत।

तुम्हें यह कहानी कैसी लगी?
अहा! कितनी मीठी है।

क्या कहोगे

तुम लड़के को क्या कहोगे? कारण देकर बताओ।
मै लड़के को नादान कहूँगा क्योंकि वह नारियल के खोल मे साँप पकड़ लाया था। उसे यह खेल लग रहा था, वह समझ ने पा रहा था कि साँप कितना विषैला जीव है।

दो-दो बार

साँप धीरे धीरे रेंग रहा था।
यहाँ धीरे शब्द का दो बार इस्तेमाल किया गया है। ऐसे ही और कुछ शब्द लिखो और उनके वाक्य बताओ।

चलते-चलते - चलते-चलते खाना खाना बुरी बात है।
पीछे-पीछे - जानवर के पीछे-पीछे मत चलो।
आगे-आगे - आगे-आगे मॉनीटर चल रहा था।
दौड़-दौड़ - वह दौड़-दौड़ कर जल्दी आ गया।

छोटे-छोटे - सीता ने अपने छोटे-छोटे हाथों से रोटी बनाई।

खींच-खींच - अध्यापिका ने खींच-खींच कर मेरे कान लम्बे कर दिये।

पीट-पीट - गाँव वालों ने पीट-पीट कर साँप को मार डाला।

कहते-कहते - राम कहते-कहते रुक गया।

अतिरिक्त प्रश्न

सांप के बारे मे रोचक बातें

(1) साँप बहरा होता है

(2) साँप नाक से नही सूँघते

(3) साँप भोजन निगल जाते है

(4) अधिकतर साँप जहरीले नही होते

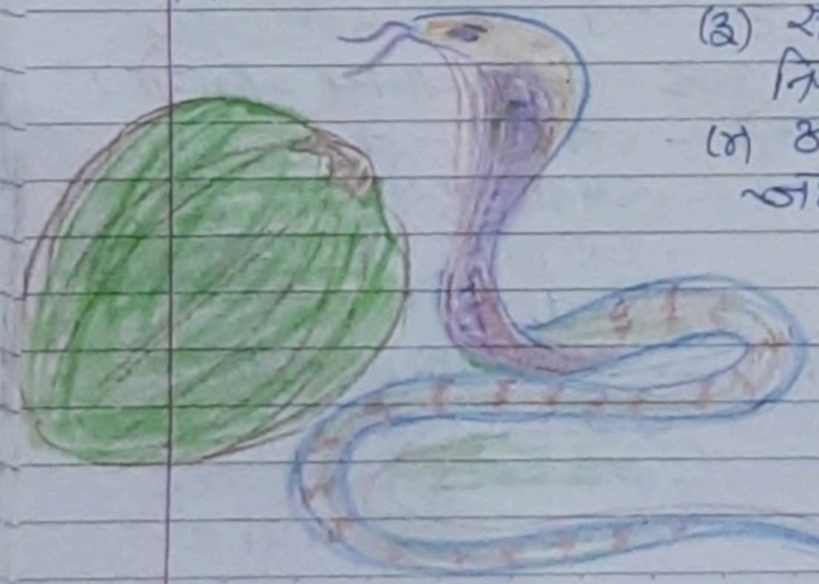

पाँच रंगो के नाम लिखो

लाल, काला, बैंगनी, पीला आसमानी।

दिनों के नाम लिखो.

1) सोमवार
2) मंगलवार
3) बुधवार
4) गुरुवार
5) शुक्रवार
6) शनिवार
7) रविवार

दो दिन के अवकाश के लिये पत्र

सेवा में

प्राचार्य महोदय जी,

अ.ब.स. स्कूल,

हिंजवाडी, पुणे।

विषय : "दो दिन के अवकाश हेतु"

श्रीमान जी,

सविनय निवेदन यह है कि मुझे घर पर बहुत ज़रूरी काम है। इसीलिये मैं कक्षा मे उपस्थित नही हो सकता। कृपा करके दो दिन का अवकाश प्रदान करे।

धन्यवाद,

आपका आज्ञाकारी,

मोहन लाला डिंगरा

पाठ - 13

मिर्च का मज़ा

नवीन शब्द

काबुलीवाले - काबुल देश का
काबुल सूखे मेवे के लिये प्रसिद्ध है।

कुँजड़िन - साग, सब्जी बेचने वाली
यह कुँजड़िन महन्गी सब्जी बेचती है।

चवन्नी - पच्चीस पैसे या चार आने
अब इस देश मे चवन्नी सरकार ने बन्द कर दी है।

सेर भर - किलो से थोड़ा कम
एक सेर सेब सौ रुपये का आता है।

सौदा = लेन देन
यह ज़मीन का सौदा रीना को सस्ता पड़ा।

छीमी - फलियां
आज माँ ने छीमी पकाई है।

फ़कत - केवल
यह सारी चीज़े फ़कत 1000 रुपये मे मिल गई।

रिसियाते - नाराज़ होना
राशन की दुकान जल्दी बंद कर दी, तो सब लोग रिसियाते हुए लौट गये।

सही सवाल

तुम्हारे हिसाब से काबुलीवाले को मिर्च देखने के बाद क्या पूछना चाहिये था।
उसे पूँछना चाहिये था -
"यह लाल चीज क्या है इसे कैसे खाते है"
या
"यह लाल चीज़ क्या कोई मीठा फल है"

जल या जल

इन शब्दो का इस्तेमाल करते हुए एक - एक वाक्य बनाओ पर ध्यान रहे -
वाक्य मे वह शब्द दो बार आना चाहिये।

हार - नेता जी हार गये पर,
नोटो का हार पहने हुए है।
(एक पैसा)

आना - यहाँ आना और एक आना
ले जाना।

उत्तर - उत्तर दिशा में ही
इस प्रश्न का उत्तर छिपा है।

फल - तुम्हारी मेहनत का फल
यह मीठा फल है।

मगर - मगर को पकड़ा तो
जा सकता मगर खतरनाक है।

पर - चिड़िया के पर कटे हुए हैं
पर वह फिर भी उड़ रही है।

छाँटो

कविता की वे पंक्तियाँ छाँटकर
लिखो जिनसे पता चलता है कि
काबुलीवाला कुछ शब्द अलग तरीके
से बोलता था।
तो हमको दो तोल छीमियाँ फक्त
चार आने की।

काबुली वाला कंजूस था।
खर्च हुआ जिस पर उसको क्यों
सधार छोड़े।

मिर्च बहुत तीखी थी।
मुँह सारा जल उठा और आँखों
मे जल भर आया।

काबुलीवाले को मिर्च के बारे
में नही पता था।
लाल-लाल पतली छीमी हे चीज
अगर खाने की,

काबुलीवाले को 25 पैसे की मिर्च
चाहिये थी।
तो हमको दो तोल छीमियाँ फक्त
चार आने की।

चार आना।

चवन्नी मतलब चार आना
चार आना मतलब 25 पैसे
एक रूपया मतलब 100 पैसे
अठन्नी मतलब 8 आने
इकन्नी मतलब 1 आना
दुअन्नी मतलब 2 आने

तुम कैसे पूछोगे?

तुम बाजार गए। दुकानों में बहुत सी चीजें रखी है। तुम्हें दूर से ही अपनी मनपसंद चीज़ का दाम पता करना है, पर तुम्हें उस चीज़ का नाम नहीं पता। अब दुकानदार से दाम कैसे पूछोगे?

मैं उस चीज का रंग आकार और जिस जगह वह रखी है। उसका (इस्तेमाल यदि पता हो) आदि बातों का सहारा लूंगा।

उदाहरण के लिये।

1) अंकल यह जो गेंद की तरह की चीज है इसका दाम क्या है।
2) अंकल यह जो चटक लाल रंग की चीज है इसका दाम क्या है।
3) अंकल वह जिसके अन्दर रसीले दाने होते हैं, उसका दाम क्या है।
4) अंकल वह जो गुलेल और आम के बीच में है उसका दाम क्या है।

बातचीत के लिये

काबुलेवाले ने मिर्च को क्यों स्वादिष्ट फल समझ लिया?

काबुलीवाले ने मिर्च को स्वादिष्ट फल उसका लाल रंग देखकर समझ लिया।

सब्जी बेचने वाली ने क्या सोचकर उसे झोली भर मिर्च दी होगी?

सब्जी बेचने वाली ने सोचा होगा कि शायद उसे घर पर पीसने के लिये मिर्च चाहिये इसी लिये वह चार आने की मिर्च ले रहा है

सारी मिर्चें खाने के बाद काबुली वाले की क्या हालत हुई होगी।

काबुली वाले का गला जल गया होगा और पेट मे जलन हो गई होगी और जुलाब लग गये होंगे। वह बीमार पड़ गया होगा।

अगले दिन सब्जी वाली टमाटर बेच रही थी। क्या काबुलीवाले ने टमाटर खाया होगा।

जी नहीं, काबुली वाले ने घाटा
नहीं खाया होगा क्योंकि इस
दुकान से सौदा करके वह
बहुत पछताया था

आगे-पीछे

अब इसी तरह इन पंक्तियों को
फिर से लिखो।
हमको दो तोल छीमियाँ फ़कत
चार आने की।
फ़कत चार आने की छीमियाँ
हमको तोल दो।

वह खाता ही रहा मिर्च की
छीमी को सिसियाते।
वह मिर्च की छीमी को सिसियाते
खाता ही रहा।

जा तू अपनी राह सिपाही, मैं
खाता हूँ पैसा।
सिपाही तू अपनी राह जा मैं
पैसा खाता हूँ।

एक काबुली वाले की कहते हैं
लोग कहानी।
लोग एक काबुली वाले की

कहानी कहते हैं।

कविता करो

अपने मन से बनाकर एक कविता
यहाँ लिखो।

मेवा वाला

मैं काबुली वाला, मैं हूँ मेवा वाला,
लेलो फ़कत मेवा, चार आने सारा।

मेवा से बनाओ तुम मिठाई,
खलमिल के खाओ सब भाई।

अब नहीं मेरा झोला भारी,
कल आयेगी अब तुम्हारी बारी।

चलता हूँ, अब मैं काबुल को,
अब आऊँगा अगले फागुन को।

मुँह में पानी

लाल-लाल मिर्च देखकर काबुलीवाले
के मुँह में पानी आ गया। तुम्हारे
मुँह में किन चीजों को देखकर या
सोचकर पानी आ जाता है।
निम्नलिखित चीज़ों से मुँह मे पानी
आता है —
(1) गुलाब जामुन (3) आम
(2) रसमलाई (4) बुढ़िया के बाल आदि

अतिरिक्त प्रश्नोत्तर

कविता में से तुकवाले शब्द जैसे - 'बोली - झोली' ढूँढकर लिखो-

बल - फल
सिपाही - तबाही
फैलाकर - समझाकर
कैसा - पैसा
दिखाया - भरआया
मोड़े - छोड़े
रिसिसाते - सिसिसाते
बोली - झोली
कहानी - पानी
पाके - जाके
खाने - आने

हाँ या ना में उत्तर दो

1) मिर्च देखकर काबुली वाले के मुँह में पानी आ गया। (हाँ)
2) काबुलीवाले ने लाल मिर्च को फल समझ लिया। (हाँ)
3) उसने पूरे एक रुपये की मिर्चे खरीदी (ना)
4) मिर्च खाकर उसकी जीभ जल गई (हाँ)
5) सिपाही ने काबुलीवाले को मिर्च खाने से रोका। (हाँ)

निम्नलिखित शब्दो का प्रयोग वाक्यों में करो।

कहानी - यह कहानी मुझे पसंद आई।
मौसिम (मौसम) - राजधानी दिल्ली का मौसिम गर्म है।
झोली - भिखारी की झोली में फल डालो।
मगन - वह लडका कक्षा मे मगन बैठा था तभी अध्यापक आये।
जीभ - साँप अपनी जीभ से सूँघता है।
मुँह - फेल होने पर क्या मुँह दिखाओगे।
मर्द - यह दौड़ केवल मर्दों के लिये है।
दाँत पीसते - रीना दाँत पीसते हुए चाट पकोडी खा रही थी।
तबाही - इस साल बरसात ने तबाही कर दी।
सिपाही - सिपाही ने चोरों को पकड़ा पर गीता बच निकली।
काबुली - वह रहा काबुली आदमी जो मेवा बेच रहा था।
राह - सत्य की राह कठिन होती है फिर भी कुछ लोग चलते हैं।

सबसे अच्छा पेड

नवीन शब्द

तलाश = खोज, ढूँढना
वीरू पानी की तलाश में दूर गया

जटाएँ = नारियल के ऊपर रेशे
रीना ने सब जटाएँ उतार दी है वह अब जा रही है।

पेरकर = निचोड़कर
बारिश से तुम्हारे कपडे भीग गये है इन्हे पेरकर पहनो।

तले = नीचे
पानी तो तले तक पहुँच गया है अब निकालना सम्भव नहीं।

खोपरा = नारियल, गरी
यह खोपरा खाओ बहुत मीठा है।

दातुन = पतली लकड़ी जिससे दाँत साफ किये जा सके।
नीम की दातुन से दाँत मज़बूत हो जाते है।

डोरियाँ - पतली रस्सी
लकडी के गट्ठे को रस्सियों से बाँद कर ले आओ।

जरा सोचो तो

तीनो भाई किस मौसम में घर की तलाश में निकले?
तीनो भाई गर्मियों के मौसम में घर की तलाश से निकले।

तुम्हें कैसे पता चला
इस मौसम में आम की बात कही गई है, जो कि गर्मी के मौसम मे उगते है अतः हमने अनुमान लगाया।

कौन सा महीना होगा।
मुझे लगता है कि जुलाई का महीना क्योंकि तभी गर्मी और बारिश होती है आम पकते हैं।

घर की तलाश पर निकलने से पहले वे कहाँ रहते होंगे?
मुझे लगता है अपने पुश्तैनी घर में रहते होंगे।

कैसे चुनोगी

इन मौकों पर तुम किस पेड़ के पत्ते का इस्तेमाल करोगी

1 मेहमान को खाना खिलाने के लिये
केले

2 बारिश मे भीगते समय छाते की तरह केले या पाम

3 सीटी बजाने के लिये
आम

4 रंग बनाने के लिये
टेसू के फूल, गेंदे के फूल

5 गर्मी से परेशान होकर पखा करने के लिये
अखी या केले

क्या लगाओगे

तुम्हे अगर पेड़ लगाना हो तो तुम कौन-सा पेड़ लगाओगी? तुम वही पेड़ क्यों लगाना चाहोगी?
मै अपने बगीचे मे आम का पेड़ लगाऊँगा क्योंकि मुझे आम का स्वादिष्ट फल मिलेगा।
आम के पेड़ की लकड़ी जलाने के काम आती है।
आम के पेड़ से छाया

मिलती है
आम के पत्ते पूजा में काम आते है।

पहचानो और मिलाओ

यहाँ कुछ पत्तियों के बारे में कुछ वाक्य दिए गए है। वाक्यों को सही चित्र से मिलाओ। पत्ती पहचान पा रही हो तो उसका नाम भी लिख दो।

लंबी पतली पत्ती जो आगे से नुकीली है।

नीचे से गोल आगे जाकर नुकीली हो जाती है।

किसके किनारे लहरदार हैं।

गोल पत्ती (कमल)

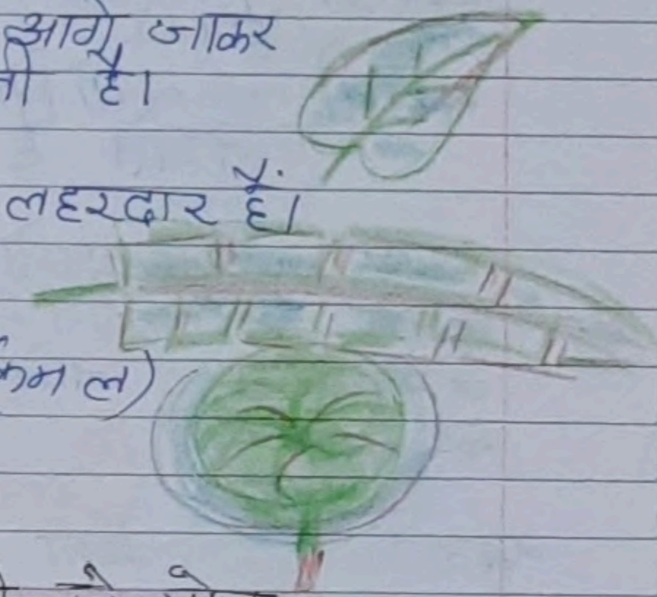

आओ करे खोज

जिससे दूधिया रस निकलता है।
आक

Page No. 132

जो चिकनी होती है
आम, अरबी

जिन पत्तियों की नसे उभरी हुई होती है। पीपल

कैसे पड़े नाम?

हम दाँतो को मंजन से माँजते है। इसीलिये मंजन को मंजन कहते है। अब सोचो और लिखो इनके नाम ये क्यो है?

दादुन - क्योकि दादुन से हम दाँत साफ करते हैं।

छलनी - क्योकि इससे हम छानते हैं।

मथनी - क्योकि इससे दूध, दही मथते है।

पहचानो तो

इनमे से कौन-सी चीज किससे बनी है। नारियल के रेशे से

Page 129

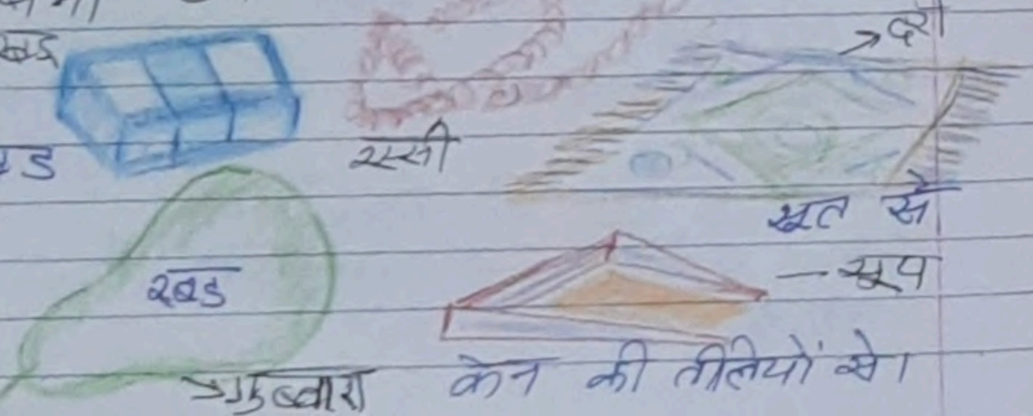

Page No. 133

तुलना करो

सही जगह पर (✓) का निशान लगाओ।

	नारियल	आम	केला
सबसे घना		✓	
सबसे ऊँचा	✓		
चढ़ने मे आसान		✓	
सबसे मोटा तना		✓	
सबसे बड़े पत्ते			✓
सबसे मीठा फल		✓	
फल खाना आसान			✓

कुछ और फलों के नाम लिखो

गुठली वाले	बिना गुठली वाले
आम	केला
लीची	पपीता
चीकू	तरबूज
जामुन	खरबूज
आड़ू	संतरा
बेर	अनार

बताओ

किन फलों को छिलके के साथ नहीं खा सकते?

संतरा, अनार, केला, पपीता तरबूज आदि।

कौन से फल हर मौसम में मिलते हैं।
केला, मौसमी, पपीता, किवी

अतिरिक्त प्रश्नोत्तर

पेडो का महत्व - निबंध

पेडा धरती का वास्तविक आवरण है। हमे जीने के लिये पेड़ो की आवश्यकता है। हम पेडो के बिना जीवन की कल्पना भी नही कर सकते।

पेड-पौधो से हमें जीवनदयी ऑक्सीजन देते हैं और खुद हानिकारक कार्बन डाई ऑक्साइड लेते है। यह पेडो का हमारे पर उपकार है।

वह पेड ही है जिनसे हमे भोजन मिलता है। पेड-हमें फल-फूल लकडी, औषधियाँ आदि देते है। पेडो से कपास मिलता है और कपास से कपडे। अतः पेड हमे भोजन और आवरन दोनो ही देते है।

जंगली जानवरो और पक्षियो को आश्रय देने का काम भी पेड ही करते है। पेड हमारे लिये वरदान है। पेड नहीं हम नही।

तीनों भाई किस चीज़ की तलाश मे घर से निकले थे।
तीनों भाई घर की तलाश में निकले थे।

आम का पेड किसे पसन्द आया?
आम का पेड बडे भाई को पसंद आया।

दूसरे भाई को कौन सा पेड पसंद आया।
दूसरे भाई को केले का पेड पसंद आया।

तीसरे भाई को कौन सा पेड पसंद आया।
तीसरे भाई को नारियल का पेड पसंद।

वाक्यो को पूरा करो

1) जब वह पक जाये तो —
हम मीठे-मीठे आम खायेगे।
2) एक दिन सुबह के समय —
घर की तलाश में निकल पडे।
3) रस्सियों और चटाइयो को मैं —
शहर के बाजार में बेच सकता हूँ।
4) केले के पेड से अच्छा क्या होगा —
बढ़िया केले खाने को मिलेगे।
5) तीसरे भाई ने नारियल के तले अपनी कुटिया बनाई और —
मज़े से रहने लगा।